श्रावण मास, कृष्ण पक्ष 20 वर्ष, अंक 189, पृष्ठ 4 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

संध्या कालीन | नगर संस्करण | प्रयागराज | शनिवार 03 जुलाई 2021 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसांधन संस्थान की एक अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

स्थायी सुख, शान्ति व निर्भय वातावरण के लिए ''क्रियायोग अभ्यास करें'' सत्य की अनुभूति में सभी प्रकार के क्लेश हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध कर दिया है कि क्रियायोग के द्वारा हम सत्य से जुड़ जाते हैं। ज्ञान, शक्ति, शान्ति, आनन्द, नाम-यश, धन आदि के लिए मनुष्य को दर-दर भटकना पड़ता है, और प्राप्त न होने पर मनुष्य में हिंसक प्रवृत्ति प्रकट होती है। क्रियायोग में भक्ति दृढ़ होने पर ज्ञान, शक्ति, शान्ति,आनन्द, धन आदि सब कुछ स्वयं मनुष्य के पास आ जाते हैं।

क्रियायोग प्राचीनतम् एवं नित्य नवीन पूर्ण विज्ञान है। ईश्वरीय नियमों के अनुसार कलिकाल में क्रियायोग का ज्ञान विलुप्त हो गया। आरोही द्वापर युग के आते ही मृत्युंजय अमर गुरु श्री महावतार बाबा जी द्वारा क्रियायोग को पुनर्जीवित कर पुनः परिष्कृत किया गया। उन्नीसवीं शताब्दी में महावतार बाबाजी ने क्रियायोग को लाहिड़ी महाशय जी के माध्यम से मानवजाति को दिया। क्रियायोग ही सनातन धर्म में वर्णित यज्ञ है। क्रियायोग ही वेदपाठ है। क्रियायोग अभ्यास से मनुष्य को अपने वास्तविक स्वरूप ''अहंब्रह्मास्मि'' की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

स्वामी श्री योगी सत्यम्
क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान
प्रयागराज
10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

रामबन में एक सड़क हादसे में 5 लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे पर रामबन के डिगडोल इलाके में शुक्रवार शाम को ओवरलोड टाटा सूमो 400 फीट गहरी खाई में गिर गई। पर रामबन में एक सड़क हादसे में 5 लोगों की मौत, 5 लोग घायल हो गए। जम्मू-श्रीनगर हाईवे पर रामबन में एक बड़ा सड़क हादसा हुआ। रामबन में एनएच-44 पर एक वाहन के खाई में गिरने से पांच लोगों की मौत, पांच अन्य घायल हो गए। रामबन एसपी के अनुसार पीडि़त रामबन से नील रामसू जा रहे थे। उनका वाहन विपरीत दिशा से आ रहे एक अन्य वाहन से टकरा गया। मौके पर ही मौत हो गई जबकि पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से दो घायलों को जीएमसी जम्मू रेफर कर दिया गया।

सड़क हादसे में जान गंवाने वालों और घायलों के प्रति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संवेदना प्रकट की है। पीएम मोदी ने ट्वीट करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर के रामबन में हुए हादसे में लोगों की मौत से आहत हूं। अपनों को खोने वालों के प्रति संवेदना। मैं प्रार्थना करता हूं कि घायल जल्द ठीक हो जाएं।

सीएम तीरथ सिंह रावत ने सौंपा इस्तीफा, विधानमंडल की बैठक में चुना जाएगा नया मुख्यमंत्री

देहरादून (एजेंसी)। मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने शुक्रवार शाम को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। राज्यपाल बेबी रानी मौर्य को उन्होंने अपना इस्तीफा सौंपा। उत्तराखंड का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा इसका फैसला शनिवार को विधानमंडल की बैठक में होगा। उनके साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक के साथ कई मंत्रिमंडल के सदस्य और विधायक भी थे। इससे पहले सीएम तीरथ सिंह रावत ने सीएम पद से इस्तीफे की घोषणा पत्रकार वार्ता में तो नहीं की, लेकिन अपनी उपलब्धियां जरूर गिनाई थीं। सूत्रों की मानें तो भाजपा हाईकमान इसबार मौजूदा विधायकों के बीच में से ही किसी विधायक को मुख्यमंत्री पद की कमान सौंपने के मूड में है।सीएम तीरथ के इस्तीफे के बाद नये मंत्रिमंडल गठन को लेकर नये सिरे से माथापच्ची होगी। नये मुख्यमंत्री के साथ ही नया मंत्रिमंडल भी शपथ लेगा। नये मंत्रिमंडल में कौन चेहरे होंगे। कुछ नये चेहरे आएंगे, या फिर कुछ पुराने चेहरे ड्राप होंगे, इस पर नये सिरे से विचार मंथन होगा। नये सीएम पूरे मंत्रिमंडल के साथ शपथ लेंगे या चंद मंत्रियों के साथ ये भी देखने वाली बात रहेगी। हालांकि चुनावी साल होने के कारण मंत्रिमंडल में बदलाव की संभावनाएं कम ही हैं। त्रिवेंद्र सरकार में मंत्रियों के तीन पद खाली रहे। वे पद तीरथ रावत सरकार में जाकर भरे।

अब नये सीएम को एक बार फिर नये सिरे से मंत्रिमंडल को विस्तार देने को विधायकों में से मंत्रियों का चयन करना होगा। हालांकि नये सीएम और मंत्रिमंडल के पास समय बहुत अधिक नहीं है। बामुश्किल छह महीने के भीतर सीएम और मंत्रियों को परफॉर्म करना होगा। ऐसे में संभावना ये भी है कि मंत्रिमंडल में बहुत अधिक छेड़छाड़ भी न हो। मौजूदा मंत्रिमंडल के साथ ही सीएम शपथ लें।उत्तराखंड में गंगोत्री और हल्दवानी विधानसभा सीटें मौजूदा विधायकों की मौत की वजह से खाली हैं। मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल मार्च 2022 में खत्म होगा।

आरएसएस की चित्रकूट बैठक में उत्तर प्रदेश पर रहेगी नजर, जेपी नड्डा भी हो सकते हैं शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 9 से 13 जुलाई तक चित्रकूट में होने वाली प्रांत प्रचारक बैठक में संघ के कामकाज की समीक्षा के साथ राजनीतिक चर्चा के दौरान उत्तर प्रदेश का आगामी विधानसभा चुनाव पर भी नजर रहेगी। बैठक में संघ के केंद्रीय पदाधिकारी तो चित्रकूट में रहेंगे, लेकिन विभिन्न-प्रांत प्रचारक वर्चुअल माध्यम से बैठक से जुड़ेंगे। संघ के कामकाज के लिहाज से यह बैठक काफी महत्वपूर्ण मानी जाती है, क्योंकि इसमें उसके विभिन्न राज्यों के कामकाज का वृत रखा जाता है।

प्रांत प्रचारक बैठक तात्कालिक मुद्दों पर चर्चा को लेकर अहम होती है, क्योंकि इस बैठक में कोई प्रस्ताव नहीं आता है। बल्कि कामकाज के वृत के साथ विभिन्न मुद्दों पर संघ व्यापक मंथन करता है। चूंकि अगले साल उत्तर प्रदेश का विधान सभा चुनाव होना है, ऐसे में संघ के राजनीतिक मंथन में यह मुद्दा होगा ही। गौरतलब है कि 2017 के उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव के पहले 2016 में प्रांत प्रचारक बैठक कानपुर में हुई थी। तब भी उसमें उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव एक अहम मुद्दा रहा था।

इस बैठक में कोरोना काल में सेवा भारती की भूमिका एवं अन्य आनुषंगिक संगठनों का कामकाज और राम मंदिर जैसे कई मुद्दे प्रमुखता से रहेंगे। पश्चिम बंगाल की चुनाव बाद की हिंसा एवं अन्य राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के मुद्दे भी चर्चा में आ सकते हैं। हाल में संघ के नेतृत्व में हुए फेरबदल के बाद यह बैठक महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि अब नए सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले को लेकर काफी उत्सुकता देखी जा रही है। ऐसे में विभिन्न-प्रांतों को मिलने वाला मार्गदर्शन काफी अहम होगा। बैठक में केंद्र सरकार और भाजपा के कामकाज को लेकर भी चर्चा हो सकती है। इसमें भाजपा की तरफ से राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा और महामंत्री (संगठन) बी.एल. संतोष के हिस्सा लेने की संभावना है।

कृषि कानून पर खत्म होगी तकरार? मोदी के साथ पवार, बीजेपी ने किया स्वागत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कृषि मंत्री और बीजेपी नेता नरेंद्र सिंह तोमर ने एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार के बयान का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि मैंने पूर्व कृषि मंत्री शरद पवार का बयान देखा। पवार ने कहा है कि पूरा कानून बदलने की जरूरत नहीं है। कृषि कानूनों पर पूर्व कृषि मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार का बड़ा बयान सामने आया है। पवार ने कहा कि कृषि कानूनों को पूरी तरह खारिज करने की बजाए इसके उस हिस्सों में संशोधन किया जाना चाहिए जिसपर किसानों को आपत्ति है।.

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र सरकार अगर केंद्र सरकार के कानून को 100 प्रतिशत स्वीकार किए बिना उसमें कुछ सुधार करके लाएगी तो अच्छा होगा। इससे पहले शरद पवार कृषि कानूनों को लेकर कई बार केंद्र सरकार के खिलाफ हमला बोल चुके हैं। पवार ने इससे पहले ये कहा था कि केंद्र सरकार को किसान आंदोलन को बहुत गंभीरता से लेना चाहिए। ऐसे में माना ये जा रहा है कि कृषि कानूनों पर शरद पवार के रूख अब नरम पर रहे हैं।

कृषि मंत्री और बीजेपी नेता नरेंद्र सिंह तोमर ने एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार के बयान का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि मैंने पूर्व कृषि मंत्री शरद पवार का बयान देखा। पवार ने कहा है कि पूरा कानून बदलने की जरूरत नहीं है। जहां आपत्ति है सिर्फ उसमें बदलाव हो। कृषि मंत्री ने कहा कि मेरी भी यही राय है। इसी मंशा के साथ किसान यूनियन से 11 बार बात की है।

अब गर्भवती महिलाओं को भी लगेगा कोरोना टीका, स्वास्थ्य मंत्रालय ने दी मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के कोविड टीकारण कार्यक्रम में टीकाकरण, जनस्वास्थ्य, रोग नियंत्रण एवं सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्रों लगवाने के बारे में सुविचारित निणऱ्य ले सकती हैं और वे टीकाकरण के लिए अब कोविन पर पंजीकरण कर सकती हैं या सीधे

के शीर्ष विशेषज्ञों की सिफारिशें शमिल हैं। मंत्रालय ने कहा कि वैज्ञानिक एवं महामारी विज्ञान सबूतों पर आधारित यह कार्यक्रम स्वास्थ्य पेशेवरों, स्वास्थ्य एवं अग्रिम मोर्चा कमिऱ्यों तथा समाज के सबसे अधिक संभावित जोखिम वाले वर्गों को सुरक्षित करके देश की स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने पर बल देता है। नयी दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय टीकाकरण तकनीकी सलाहकार समूह (एनटीएजीआई) की सिफारिशों के आधार पर मंजूरी दे दिये जाने के बाद देश में अब गर्भवती महिलाएं भी कोविड-19 के विरूद्ध टीका लगवाने की पात्र हो गयी हैं। मंत्रालय ने कहा कि इस फैसले के बाद गर्भवती महिलाएं कोविड टीका अपने निकटतम कोविड केंद्र पर जा सकती हैं। उसने एक बयान में कहा कि सभी राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों को इस निणऱ्य की सूचना उसे वर्तमान राष्ट्रीय कोविड टीकाकरण कार्यक्रम के तहत लागू करने के लिए दे गयी है। भारत के कोविड टीकारण कार्यक्रम में टीकाकरण, जनस्वास्थ्य, रोग नियंत्रण एवं सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्रों के शीर्ष विशेषज्ञों की सिफारिशें शमिल हैं। मंत्रालय ने कहा कि वैज्ञानिक एवं महामारी विज्ञान सबूतों पर आधारित यह कार्यक्रम स्वास्थ्य पेशेवरों, स्वास्थ्य एवं अग्रिम मोर्चा कमिऱ्यों तथा समाज के सबसे अधिक संभावित जोखिम वाले वर्गों को सुरक्षित करके देश की स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने पर बल देता है।

प्रकाश हॉस्पिटल
स्वास्थ सेवाओं के लिए 24 घंटे सेवा में तत्पर

निदेशक- डॉ. विजय बाबू यादव
(सदस्य जिला पंचायत)
Mob.: 8858487147
पता-भीरपुर करछना, प्रयागराज

Reg. No. U01400UP2021PTC147142
स्थापना वर्ष - 2021
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF CORPORATE AFFAIRS
शेषदुर्गा हर्बल प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड
प्रयागराज के किसानों से आग्रह है कि सुनहरे भविष्य के लिए औषधीय पौधों की खेती करके अपनी आय चार गुना ज्यादा बनाने के लिए कम्पनी की सदस्यता ग्रहण करें।
फाउण्डर आर. पी. पाण्डेय LL.B
ग्राम-कबरा, पोस्ट-डीहा, तहसील-करछना, प्रयागराज
रजि. कार्यालय-868/5 कृष्णा नगर, अरैल, नैनी, प्रयागराज
Mob.: 9935613506

सूफी आशिक बाबा
सभी समस्याओं का निःशुल्क समाधान के लिए संपर्क करें।
नोट : खोए हुए व्यक्ति को हर हाल में मिलाना, ऊपरी बाधा से परेशान और उसका निःशुल्क समाधान कराना, वैवाहिक जीवन में समस्त कष्टों को दूर कराना, जिन पुरुष व युवती की शादी में किसी प्रकार का कोई रुकावट आ रहा है तो, उसका भी समाधान किया जाता है सभी समस्याओं का समाधान समय से कर दिया जाता है 30 वर्षों का अनुभव प्राप्त।
पताः एडीए कॉलोनी, पुलिस चौकी के पास, नैनी, प्रयागराज
मोबाइल नंबरः 9793403230, 9335128224

बारिश के आसार, मौसम विभाग ने की भविष्यवाणी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। मानसूनी चक्रवाती हवाओं की सक्रियता से शुक्रवार भोर से दोपहर तक कई चरणों में हुई बारिश ने लोगों को अचानक बढ़ी गर्मी से राहत दी है। दोपहर बाद कुछ देर बादलों की आवाजाही बनी रही, फिर तेज धूप परेशानी का कारण बनी। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि तापमान बढ़ते क्रम में रहेगा।

इससे पहले शनिवार सुबह कहीं तेज तो कहीं-कहीं हल्की बारिश, बूंदाबादी हो सकती है। मौसमी उठापटक के बीच उमस भरी गर्मी सताएगी।शुक्रवार को 19 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। भोर में झमाझम फिर कई बार रुक-रुक कर कई बार बादल बरसे। 12 बजे के बाद बारिश थमी तो सूरज और बादलों के बीच जोर आजमाइश होने लगी।

दो बजे से तेज धूप परेशानी का कारण बन गई। बारिश के बाद तेज धूप में निकले लोग उमस भरी गर्मी से परेशान हो गए। पसीना सूखने का नाम ही नहीं ले रहा था। उमस भरी चिपचिपी गर्मी देर रात तक परेशानी का कारण बनी रही। हवाओं की सुस्ती बारिश में बाधा बनी।बारिश के कारण तापमान में मामूली फेरबदल दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान 35.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान 27.4 से 28 डिग्री के बीच डोलता रहा। वातावरण में नमी का स्तर असंतुलित रहा। आर्द्रता अधिकतम 100 और न्यूनतम 75 प्रतिशत रही। हवाओं की गति सुस्त रही। इस कारण उमस हावी रहा।मौसम विज्ञानी प्रोफेसर एचएन मिश्रा के मुताबिक तापक्रम का आर्द्रता के साथ बढ़ना अच्छे मानसून का संकेत है। आने वाले पांच से सात दिनों में मौसमी उठापटक बनी रहेगी। धूप छांव के बीच बारिश के आसार हैं। शनिवार सुबह बारिश के बाद मौसम सूखा रहेगा। उमस भरी गर्मी से फिलहाल राहत के आसार कम हैं।

जिला पंचायत अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर जिला पंचायत भवन के बाहर लगी सुरक्षा मे लगी पुलिस

GSTIN : 09AAFTM3349D1ZK
PAN-AAFTM3349D
Reg. No.: 1/2014
मिसकीन सेवा संस्थान ट्रस्ट
Misqeen Sewa Sansthan Trust
(इण्डियन ट्रस्ट एक्ट 1882 केअन्तर्गत पंजीकृत)
श्रमिको, मजलूमों, गरीबों अनाथो के सेवा में तत्पर
फाउण्डर प्रबन्धकः अहद अहमद सिद्दीकी उर्फ शहजादे पत्रकार/ग्राम प्रधान अल्हवा कोरांव, प्रयागराज
कार्यालय : माण्डा वाली रोड, कोरांव-प्रयागराज,
निवास ग्राम-अल्हवा, देवघाट, कोरांव-प्रयागराज 212306
Mob.: 9450613192
E-mail: miskeenss2014@gmail.com, sahjadekoraon@gmail.com

XL100
Jupiter
TVS Sport
Apache
Wego
Scooty Pep+
प्रो. शैलेन्द्र कुमार
चन्दा टीवीएस
नगद एवं फाइनेन्स की सुविधा उपलब्ध है।
जारी बाजार, प्रयागराज मोः 9721116002

साईं कृपा मेंस पार्लर
न्यू हेअर कट, हेअर स्ट्रेटिंग, हेअर पैंच/ विक, स्किन ट्रीटमेंट, हेअर स्पा, फायर कट मॉडेल मेकअप, नवरदेव मेकअपउ (पैकेज)
पार्लर में काम करने के लिए अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है।
प्रो0 उमेश शर्मा
Mob.: 7860823593
पता त्रिवेणीपुरम नियर पानी की टंकी झूसी प्रयागराज

जिला पंचायत सदस्य पहुंचे प्रयागराज,बूथ तक पहुंचाने की रहेगी चुनौती

चुनाव जीतने के बाद कई जिला पंचायत का नहीं लग रहा था फोन

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। मतदान से एक दिन पहले भी जिला पंचायत सदस्यों के साथ लुकाछिपी का खेल जारी रहा। दोनों ही दलों की ओर से शुक्रवार देर रात तक उनकी तलाश की जाती रही।

बताया जा रहा है कि दूसरे जिलों या राज्यों में भेजे गए ज्यादातर सदस्य प्रयागराज आ गए हैं. लेकिन उन्हें नजरबंद करके रखा गया है। ताकि, उनका दूसरे पक्ष के लोगों से संपर्क न हो सके। सुबह मतदान के लिए जाते समय भी सदस्यों की धरपकड़ की आशंका जताई जा रही है। ऐसे में दोनों पक्षों के सामने अपने-अपने समर्थक सदस्यों को बूथ तक पहुंचाने की भी चुनौती बनी हुई है। धन-बल के इस चुनाव में भाजपा और सपा दोनों ही तरफ से जीत के दावे किए जा रहे हैं। विपक्षी खेमा संपर्क न कर सके, इसलिए ज्यादातर सदस्यों को दूसरे राज्य या जनपद में भेज दिया गया।

कई जिला पंचायत सदस्यों ने शपथपत्र भी बनवा रखे हैं कि वे अपने परिवार के साथ घूमने के लिए निकले हैं। मतदान के दिन आ जाएंगे। वे पाला न बदलने पाएं, इसलिए उनके प्रमाणपत्र भी रखवा लिए गए हैं। हालांकि अब मतदान की तारीख आ गई है। ऐसे में सदस्यों के आने का क्रम शुरू हो गया है।

चुनाव पर नजदीक से नजर रखने वाले वरिष्ठ नेता ने बताया कि सदस्यों को अलग-अलग स्थानों पर रखा गया है। उन्हें पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का संरक्षण मिला हुआ है, ताकि उनके साथ जबरदस्ती न होने पाए। उनका कहना है कि सदस्यों को पंचायत भवन में प्रवेश कराने तक की रणनीति बनाई गई है। इसमें वरिष्ठ नेताओं की जिम्मेदारी तय करने के साथ अन्य प्रेशर ग्रुप की भी मदद ली जाएगी। ताकि, विपक्षी खेमे के साथ प्रशासन पर भी दबाव बनाया जा सके।

रेवती रमण, उज्जवल ने संभाली कमान, मौजूद रहेंगे कई पूर्व माननीय

जिला पंचायत अध्यक्ष चुनाव के लिए सपा ने पूरी तैयारी की है। शुक्रवार को हुई अलग-अलग बैठकों में सदस्यों को बूथ तक पहुंचाने की रणनीति बनाई गई। मतदान से मतगणना तक की पूरी कमान पार्टी के वरिष्ठ नेता राज्यसभा सदस्य रेवती रमण सिंह एवं उज्जवल रमण सिंह संभालेंगे। दोनों नेता शनिवार को पूरे दिन मतदान स्थल के पास रहेंगे। रेवती रमण सिंह को मतदान स्थल पर बैठाकर पार्टी कई मोर्चे एक साथ साधना चाहती है। सपा जिला पंचायत सदस्यों को संदेश देना चाहती है कि रेवती रमण ही इस चुनाव में अगुवाई कर रहे हैं। इसके अलावा सपा की ओर से सदस्यों तथा उनके परिजनों पर प्रशासनिक दबाव बनाए जाने की लगातार शिकायतें की जाती रही हैं। ऐसे में रेवती रमण को आगे करके पार्टी प्रशासन तथा पुलिस पर भी दबाव बनाना चाहती है। इसी रणनीति के तहत रेवती रमण सिंह किसी तरह की गड़बड़ी पर आंदोलन की चेतावनी भी दे चुके हैं।पूर्व प्रदेश प्रवक्ता के निर्देशन में पार्टी की ओर से शुक्रवार को सदस्यों को एक बार फिर मतदान की प्रक्रिया समझाई गई। उन्हें बताया गया कि प्रत्याशी के नाम के सामने निर्धारित स्थल पर अंग्रेजी का एक लिखना है। यानी, खड़ी पाई खींचनी है। अन्यथा, मत अवैध हो जाएगा। बैठक में निणय्य लिया गया कि सभी नेता और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता पंचायत भवन के आसपास मौजूद रहेंगे। बैठक में जिला एवं महानगर अध्यक्ष के अलावा विधायक उज्जवल रमण सिंह, एमएलसी बासुदेव यादव, पूर्व सांसद एवं विधायक तथा अन्य नेता मौजूद रहे।

बार एसोसिएशन मेजा चुनाव

उमाकांत मिश्र अध्यक्ष व दिनेश द्विवेदी मंत्री निर्वाचित

अखंड भारत संदेश

सिरसा/मेजा। प्रयागराज मेजा बार एसोसिएशन चुनाव सत्र 2021-22 के गठन हेतु शुक्रवार को हुए चुनाव में 181 मतों से अध्यक्ष और 275 मतों से मंत्री विजय घोषित किए गए। जिसमें महेंद्र द्विवेदी को 281 राजेश्वरी प्रसाद मिश्रा को 129 और उमाकांत मिश्रा को 462 मत मिले।

जबकि मंत्री पद के लिए दिनेश कुमार द्विवेदी को 564 मत और चंद्रमणि शुक्ला को 289 मत मिले।उक्त आशय की जानकारी निर्वाचन अधिकारी आनंद पांडे और रामेश्वर मिश्र तथा सहायक निर्वाचन अधिकारी बैजनाथ यादव और निर्वाचन सचिव राकेश कुमार यादव ने संयुक्त रूप से बताया कि शेष अन्य पदों के पदाधिकारी निर्विरोध चुने जा चुके हैं, जिसमें उप मंत्री रमेश पांडेय,कोषाध्यक्ष रमाकांत मिश्र,पुस्तकालयाध्यक्ष शैलेंद्र सिंह, आय व्यय निरीक्षक नागेंद्र मिश्र है।

वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य सुरेंद्र मिश्र, बाल सखा,सतीश चंद्र मिश्र,राजबहादुर सिंह और हरिश्चन्द्र यादव तथा कनिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य के लिए नितेश शुक्ल,राकेश द्विवेदी,अनुपम गुप्ता,अभिषेक शुक्ला,शिवसागर शुक्ल और शेष नाथ शुक्ला निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। उन्होंने बताया की कुल 1338 में 892 मत पड़े जिसमें मत अवैध पाए गए।मतदान सुबह 9 बजे से सायं 5.30 बजे तक हुआ।

शुरू में मतदान धीमी रही।दोपहर बाद वोटिंग में तेजी आई और निर्धारित समय साढ़े 5 बजे तक 892 मत पड़े।सहायक निर्वाचन सचिव पंकज तिवारी ने बताया कि 3 जुलाई को जिला पंचायत चुनाव को लेकर एस डी एम मेजा रेनू सिंह के अनुरोध पर निर्वाचन मंडल द्वारा मतगणना वोटिंग के बाद ही सम्पनन हुई। उपजिलाधिकारी मेजा रेनू सिंह, तहसीलदार डाक्टर विशाल शर्मा, सीओ मेजा डाक्टर भीम कुमार गौतम और प्रभारी निरीक्षक मेजा अरुण चतुर्वेदी ने निर्वाचित अध्यक्ष और मंत्री को बधाई दी है।वहीं निर्वाचन अधिकारियों, निवर्तमान अध्यक्ष जटाशंकर मिश्र और मंत्री ओमप्रकाश मिश्र ने भी निर्वाचित अध्यक्ष व मंत्री को बधाई दी है।

मतदान में जिला कचहरी से वरिष्ठ अधिवक्ताओं में विद्या भूषण, हरिसागर मिश्र,देवेंद्र मिश्र नगरहा, उमाशंकर तिवारी,सी पी यादव, सुशील मिश्रा,जयकांत तिवारी, विजय कुमार पांडेय और आशुतोष पांडेय ने हिस्सा लिया।

निर्वाचन अधिकारियों व सचिवों ने एल्डर कमेटी के सदस्यों अरुण तिवारी, राजेंद्र प्रसाद तिवारी, इंद्रदेव मिश्र, सतीश चंद्र मिश्र,रमाशंकर मिश्र, देवानंद सिंह, नेब्बू लाल तिवारी, एस पी मिश्र और कमलाशंकर शुक्ला तथा निर्वाचन मंडल के सभी सदस्यों के विशेष सहयोग की सराहना की।

कुल 1338 में 892 मत पड़े, 12 मत अवैध

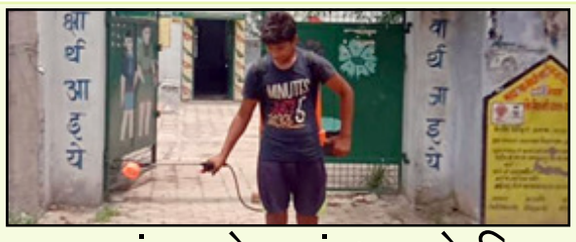

प्रयाग संगम सेवा संस्थान ने किया प्राथमिक विद्यालयों में छिड़काव

अखंड भारत संदेश

जसरा/प्रयागराज। विकास खंड जसरा के ग्राम पंचायत तातारगंज में शुक्रवार को कोरोना की तीसरी लहर को देखते हुए प्राथमिक विद्यालय छिड़िया में सेनेटराइज किया गया। प्रदेश सरकार की तरफ से जहां प्रत्येक गांव और प्रत्येक विद्यालयों में छिड़काव किया जा रहा है वहीं प्रयाग सेवा संस्थान के सदस्यों के द्वारा इस कार्य में भरपूर सहयोग दिया जा रहा है । संस्थान के अध्यक्ष सुधांशु मिश्र ने बताया कि जसरा ब्लॉक के सभी गांवों में प्रयाग सेवा संस्थान के द्वारा गांव गांव छिड़काव कराने का संकल्प लिया है। इसी के तहत शुक्रवार को तातारगंज और राजस्व गांव छिड़िया में छिड़काव किया गया है। इस अवसर पर प्रधान बृजेश सोनकर,रावेन्द्र तिवारी सूरज यादव, राजेश तिवारी, अशोक तिवारी, राम जी त्रिपाठी प्रधानाध्यापक रमाशंकर त्रिपाठी, सहायक अध्यापिका अलका त्रिपाठी, सहायक अध्यापिका रंजना यादव, सहायक अध्यापक राकेश कुमार, शिवेंद्र मिश्र, आलोक पाठक इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

गैंगस्टर का आरोपी गिरफ्तार

नैनी। कोतवाली क्षेत्र के भडरा तिराहे के समीप पुलिस ने गैंगेस्टर के एक आरोपी को गिरफ्तार कर शुक्रवार को चालान कर दिए। जानकारी के मुताबिक घूरपुर थाना क्षेत्र के अमरोहा गांव निवासी विनोद कुमार धुरिया पुत्र रणजीत कुमार के खिलाफ गैंगेस्टर एक्ट की कार्रवाई हुई है और उसके खिलाफ चार मुकदमें नैनी कोतवाली में दर्ज है। पुलिस की पकड़ से आरोपी दूर चल रहा था। शुक्रवार सुबह स्पेक्टर सुजीत कुमार दुबे को जरिए मुखबिर से सूचना मिली कि गैंगेस्टर का आरोपी विनोद कुमार तिराहे के पास मौजूद है। सटीक सूचना मिलते ही इंस्पेक्टर ने एसआई सुशील कुमार दुबे व उमेश यादव सहित दलबल को साथ लेकर उक्त स्थान पर पहुंचे और घेराबंदी करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर कोतवाली उठा लाए।

विकलांग व्यक्ति के खपरैल घर में लगी आग

अखंड भारत संदेश

लालापुर। क्षेत्र के चकसुचेर गांव निवासी एक विकलांग व्यक्ति के खपरैल घर में गुरुवार की देर रात आग लग गई । आग लगने की जानकारी हुई तो परिजन नीद से जगकर बाहर निकले । शोर मचाया तो आस पास के लोग एकत्र हुए जब तक लोग आग बुझा पाते तब तक पूरी गृहस्थी जलकर राख हो चुकी थी ।

लालापुर थाना क्षेत्र के चकसुचेर गांव निवासी बच्चा लाल पासी मानसिक रूप से कमजोर व दिव्यांग है । वह अपनी पतनै पांच लड़के रामजनम 26,शिवजनम24,राज22,राहुल20,साहुल15 व तीन बेटियों दुर्गा14व अंजना 12 के साथ अपने खपरैल घर में रहता है । गुरुवार की रात कच्चे चूल्हे में रोज की तरह खाना बना और सभी खा कर सो गए । चूल्हे में कुछ आग बची रह गई। देर रात तेज हवा के साथ आंधी आई और इसी बीच चूल्हे की चिंगारी निकली और खपरैल घर में जा लगी । आग की लपटें निकलने लगी तो घर में सो रहे लोगों की नींद खुली।

सभी घर बाहर भागे और शोर मचाये तो आस पास के लोग दौड़े और आग बुझाने का प्रयास करने लगे लेकिन तब तक दिव्यांग बच्चा की गृहस्थी जलकर राख हो चुकी थी । राशन कार्ड छोड़ अन्य कोई योजना का नहीं बच्चा के परिवार को मिला लाभ। दिव्यांग बच्चा लाल पासी निहायत ही गरीब है। सरकार की उज्ज्वला गैस योजना ,आवास आदि का उसे अभी तक कोई लाभ नहीं मिला । बारिस के समय आग लग जाने घर समेत गृहस्थी जलकर खाक होने के बाद बच्चा और उसके परिवार को सिर छुपाने की जगह भी नहीं बची।

मनरेगा का काम मिलने से मजदूरों में खुशी

अखंड भारत संदेश

करछना। कोविड 19 के संकमण काल से बंद पड़े काम काज से परेशान मजदूरों को अब गांवो में मनरेगा कार्य में काम चालू हो जाने से उनकी दिनचर्या ढर्रे पर लौटने लगी है ।,मनरेगा योजना के तहत कराया जा रहा कच्ची सड़क मरम्मती करण का कार्य ।करछना क्षेत्र के सुलमई गांव में मनरेगा के द्वारा कराया जा रहा कच्ची सड़क का मरम्मत का कार्य ।जिससे की मजदूरों में खुशी व्याप्त है । कोरोना काल से परेशान मजदूर आजीविका के लिए तरस रहे थे। ग्राम प्रधान अनीता देवी ने कहा मजदूरों के साथ साथ गांव का भी विकास को प्राथमिकता मिलेगी।

समाजसेवी श्यामकांत शुक्ला ने ली श्रीनाथ मन्दिर के मरम्मत की जिम्मेदारी

अखंड भारत संदेश

सिरसा/मेजा। प्रयागराज मेजा विधानसभा के वरिष्ठ समाजसेवी श्याम कान्त शुक्ला उर्फ लहरी भैया नगरपंचायत सिरसा बाज़ार में स्थित श्री श्रीनाथ बाबा के मंदिर के जीणोद्धार की जिम्मेदारी ली है। शुक्रवार को लहरी भैया अपने भाई और मोहित मिश्रा के साथ सिरसा स्थित श्री श्रीनाथ मंदिर पहुचे और दर्शन किये। उन्होंने मंदिर के मरम्मत के बारे में वहां के मुख्य पुजारी गुरुदेव शंभू गिरी जी महराज, रतन मिश्रा महराज और अन्य पुजारी तथा समिति के सदस्यों के साथ विचार विमर्श किया। पुजारियों ने लहरी भैया को बताया कि कोरोना के चलते पिछले एक साल से मंदिर में लोगों का आना जाना कम हो गया है। जिससे मंदिर की आवक भी कम हो गई है। मंदिर में नित्यप्रति प्रयुक्त होने वाली पूजन सामग्री का खर्च ही बड़ी मुश्किल से निकल पाता है। पुजारियों ने श्याम कान्त शुक्ला उर्फ लहरी भैया से आग्रह किया कि वो इस मंदिर को गोंद लेकर इसके मरम्मत का कार्य खुद कराएं, जिसे लहरी भैया ने प्रभु श्री श्रीनाथ भगवान भोले नाथ की आज्ञा मान कर स्वीकार किया और मंदिर के मरम्मत कार्य के खर्च की जिम्मेदारी खुद अपने ऊपर ले ली।श्री श्रीनाथ मन्दिर नगरपंचायत सिरसा माँ गंगा घाट पर स्थित हैं। यह मंदिर बहुत पुराना और प्राचीन मंदिर है।

तीन दिवसीय कथा के समापन में जय श्री राम के लगे गगनभेदी नारे

अखंड भारत संदेश

सहसों। क्षेत्र के बिगहिया गांव में तीन दिवसीय रामकथा आयोजन के समापन पर तीसरे दिन प्रवचन करते हुए मानस मर्मज्ञ श्री कमलेश नारायण तिवारी ने कहा कि कलयुग में हनुमान जी की आराधना विशेष फलदाई है। अगर प्रभु राम को पाना है तो हनुमान जी की आराधना जरूरी है। तीन दिवसीय राम कथा का आयोजन बिगहियां गांव स्थित श्री मनपूरन नाथ शिव मंदिर में किया गया। राम कथा आयोजन में मौजूद कथावाचक आचार्य श्रीकांत जी ने सदैव दृढ़ता भाव व सुविचार से अच्छे कर्म करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मनुष्य का जन्म केवल लक्ष्यों की पूर्ति के लिए है तथा मानव जीवन का लक्ष्य अर्थ, धर्म, काम और मोक्ष प्राप्ति मात्र है। इस अवसर पर कथावाचक श्री नारदा नंद जी महाराज ने मानव को चैरासी लाख योनियों में सर्वश्रेष्ठ बताया। उन्होंने कहा कि मानव का शरीर पाना बहुत ही सौभाग्य की बात है। मानव को सदैव दीन दुखियों की सेवा तथा प्राणी मात्र से प्रेम करना चाहिए। यही बात हमें रामायण, भागवत व गीता आदि में भी सिखाया जाता है। इस अवसर पर आसाराम यादव, राधेश्याम, आनंद मिश्र, परमानंद पांडेय, रामबाबू, सुभाष मिश्र, लक्ष्मीकान्त मिश्र, सुमित कुमार, अतुल मिश्र, धनंजय कुमार, आशुतोष कुमार आदि उपस्थित रहे।

उमस भरी गर्मी से लोग हाल बेहाल

अखंड भारत संदेश

सहसों। बीते लगातार चार-पांच दिनों से दिन हो या रात उमस भरी गर्मी के चलते लोग हाल बेहाल हो रहे हैं और पसीने से तरबतर होते जा रहे हैं।

इसके पहले लगातार बारिश के चलते मौसम नम रहा किंतु उसके बाद सुबह से हुई उमस देर शाम तक चलती रहे और लोग पसीने पसीने बेहाल होकर अपनी दिनचर्या के रोजमर्रा के काम में लगे हैं। बढ़ती उमस भरी गर्मी के चलते राहगीरों ने ठंडे पेय पदार्थ का सहारा ले रहे हैं सहसों समेत क्षेत्र के प्रमुख बाजारों गांव गलियों में लोग ठंडा पेय पदार्थ और लस्सी जैसे पेय पदार्थ ठंडा पानी पीते दिखाई दिए। वहीं दुकानदारों ने बताया कि ठंडा पानी और कोल्ड ड्रिंक के सहित लस्सी की मांग बीते चार-पांच दिनों से राहगीर ग्राहकों से मांग बढ़ गई है। इस संदर्भ में डॉक्टर एस के दुबे एवं डॉ कुद्दूस आलम ने बताया कि इस उमस भरी गर्मी में बाजार में बिकने वाली शीतल पेय पदार्थ स्वास्थ्य के लिए नुकसान दायक हैं।

इनका कहना है कि इस उमस भरी गर्मी के चलते मौसमी बीमारियों के बढ़ने की आशंका ज्यादा होती है। ऐसे में सफर आने के बाद लोगों को तुरंत ठंडा पेय पदार्थ या पेयजल ना लेकर पहले एक कप चाय पीनी चाहिए उसके 20 से 30 मिनट बाद ही घर में इस्तेमाल होने वाली पेय पदार्थ या मिट्टी के घड़े का जल ले सकते हैं। हो सके तो ऐसे में नींबू पानी का सेवन करें। साथ ही साथ साफ सफाई और ताजा भोजन साफ ताजा जल या घड़े का जल पीने के उपयोग में लें जिससे शरीर स्वस्थ रहेगी।

एक ही रात में तीन घरों से चोरों ने जेवरात समेत उपकरण उड़ाए

अखंड भारत संदेश

नैनी। औद्योगिक क्षेत्र के आईटीआई कंपनी के समीप बीती रात चोरों ने मौका पाते ही तीन घरों को निशाना बनाते हुए मोबाइल, जेवरात व नकदी पर हाथ साफ कर फरार हो गए। मामले की तहरीर पुलिस को दी गई है।

जानकारी के मुताबिक औद्योगिक क्षेत्र के महुआरी ग्राम सभा के अंतर्गत आईटीआई कंपनी के समीप रहने वाले गोविंद लाल सोनी पुत्र स्वर्गीय हरिनंदन सोनी गुरुवार रात भोजन करने के बाद परिजनों के संग दूसरी मंजिल के छत पर सो रहे थे। तड़के सुबह उठने पर उनके मकान का दरवाजा खुला देख वह दंग रह गए। भुक्तभोगी के मुताबिक चोरों ने मौका पाते ही पेटी में रखें सोने चांदी से निर्मित जेवरात, लगभग पांच हजार नकदी सहित मोबाइल उड़ा दिए। इसी प्रकार वहीं के रहने वाले रोहित मिश्रा और राहुल कुमार दोनों किराए पर कमरा लेकर पढ़ाई करते हैं। चोर मौका पाते ही दोनों छात्रों के कमरे से मोबाइल चोरी कर फरार हो गए। एक ही रात तीन घरों से चोरी की वारदात होने से आसपास के रहने वाले लोगों में हड़कंप मचा हुआ है। बता दें कि बीते कुछ दिन पूर्व रात्रि प्रहर में चोरों ने घर के समीप खड़ी एक कार के टायर खोल गए थे। भुक्तभोगियों ने रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए औद्योगिक क्षेत्र थाने में तहरीर दी है।

सब्जियों की महंगाई से गरीबों की आर्थिक कमर टूटी

अखंड भारत संदेश

नारीबारी। केंद्र सरकार व राज्य सरकार मंहगाई को कम करने के लिए अनेक योजनाएं चला रही है, लेकिन वास्तव में केवल झूठ का पुलिंदा ही दिखाई देता है धरातल पर कहीं भी नही दिखाई दे रहा है।यदि सब्जी बाजार की बात करें तो इन दिनों सब्जियों का दाम लगातार बढ़ रहा है जिससे गरीबो की थाली से सब्जी गायब हो रही है।सब्जियों का दाम इतना अधिक बढ़ रहा है कि आम लोगों के द्वारा खरीद पाना बहुत ही बड़ा कठिन कार्य है।जहां टमाटर चालीस रुपए,बैंगन चालीस रुपए,परवल अक्सी रुपए ,प्याज चालीस रुपए,लहसुन एक सौ बीस रुपये तक बिक रहा है इसी तरह हरी सब्जियों में नेनुआ,लौकी के दाम भी आसमान छू रहे हैं इसको लेकर गरीब और मध्यमवर्गीय व्यक्ति यदि सब्जी खरीदने बाजार की ओर निकलता है तो उसे चार बार अपनी जेब टटोलना पड़ता है सब्जियों के इस महगाई को लेकर बड़े से छोटे दुकानदार मनमानी करने पर तुले हैं जैसे ही कोई सब्जी बाजार की माँग के अनुरूप नही दिखती है वैसे ही ये दुकानदार सब्जियों के दाम में डेढे से दूने पैसे की इजाफा कर देते हैं।

कहने के लिए तो बाजार पर नियंत्रण रखने के लिए सरकार के अनेक विभाग कार्य कर रहे हैं लेकिन उनका किसी भी प्रकार का ये बाजारों पर नियंत्रण नही है यही कारण है कि बाजार में बेतहासा महगाई का आलम बना हुआ है।जिससे आम उपभोक्ता अपने बच्चों के निवाले में सब्जी की मात्रा रखने में असक्षम होता जा रहा है।ग्रामीण क्षेत्र के रहने वाले कुछ उपभोक्ताओं पुष्पराज सिंह, रावेंद्र कुमार तिवारी,मनोज कुमार वर्मा, राम मूरत दीपांकर, अनुज यादव, सत्य नारायण सिंह, जय सिंह,राज कुमार सिंह,समरजीत सिंह,दया शंकर सिंह,प्रेम शंकर सिंह,अर्पित सिंह,कुबेर सिंह, सुनील सिंह,पुष्पराज सिंह,बुद्धसेन सिंह,गोकुल सिंह,लालजी सिंह,अजब सुख सिंह,मान बहादुर सिंह,विजय सिंह,रावेंद्र सिंह,प्रभात सिंह,कृष्णा विश्वकर्मा,संजू सिंह सहित दर्जनों लोगों ने क्षेत्रीय सवांददाता को बताया कि कोविड 19 महामारी के कारण हम लोगो की आर्थिक स्थित पूर्णरूप से खराब हो गई है जिसके बीच जीवन पालन की जो सांसे चल रही थी उसको सब्जियों की महगाई ने पूर्णरूप से बंद करने के कगार पर खड़ी है।

गैंगस्टर का आरोपी गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

नैनी। कोतवाली क्षेत्र के भडरा तिराहे के समीप पुलिस ने गैंगेस्टर के एक आरोपी को गिरफ्तार कर शुक्रवार को चालान कर दिए। जानकारी के मुताबिक घूरपुर थाना क्षेत्र के अमरोहा गांव निवासी विनोद कुमार धुरिया पुत्र रणजीत कुमार के खिलाफ गैंगेस्टर एक्ट की कार्रवाई हुई है और उसके खिलाफ चार मुकदमें नैनी कोतवाली में दर्ज है। पुलिस की पकड़ से आरोपी दूर चल रहा था। शुक्रवार सुबह स्पेक्टर सुजीत कुमार दुबे को जरिए मुखबिर से सूचना मिली कि गैंगेस्टर का आरोपी विनोद कुमार तिराहे के पास मौजूद है।

ग्राम प्रधान व समाजसेवी द्वारा गांव में किया गया पौधरोपण

अखंड भारत संदेश

बहरिया। विकास खंड बहरिया के चतुरपुर ग्रासभा के खलसा गांव स्थित प्राचीन शिव मंदिर परिसर में शुक्रवार को पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान ग्राम प्रधान राजकुमार यादव और समाजसेवी शिवदत्त नारायण त्रिपाठी ने संयुक्तरूप से पौधरोपण किया।

पौधरोपण कार्यक्रम में समाजसेवी शिवदत्त नारायण त्रिपाठी ने कहा कि वर्तमान समय लगातार वायु प्रदूषित हो रहा है। जिससे लोग आये दिन गंभीर बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। वायु को स्वच्छ और अपने आपको स्वस्थ्य रखने के लिए लोगों को ज्यादा से ज्यादा पौधरोपण करना चाहिए। ग्राम प्रधान राजकुमार यादव ने कहा गांव को साफ, स्वच्छ और सुंदर रखने के उद्देश्य से गांव में पौधरोपण करवाया जा रहा है। ग्राम प्रधान राजकुमार यादव ने बताया कि शासन से मिले 1626 पौधों को वितरित किया गया। इसके साथ ही शिव मंदिर परिसर में पौधरोपण किया गया। इस मौके पर रामबाबू गुप्ता, मोतीलाल गुप्ता, अखिलेश गुप्ता, कृष्णा सिंह, सीता सिंह, प्रवीण सिंह, यशोदा देवी, अर्चना देवी, बसनहा, महराज दीन, राजबहादुर पटेल, भोला नाथ यादव, रामबरन, बच्चालाल यादव, छोटेलाल, कडेदीन यादव आदि सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने मतगणना स्थल का किया निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। अध्यक्ष जिला पंचायत निर्वाचन-2021 के चुनाव को सकुशल, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से सम्पनन कराये जाने हेतु सभी तैयारियां पूरी हो चुकी है। तथा परिसर के अंदर मोबाइल फोन ले जाना पूर्णतया प्रतिबंधित रहेगा, जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी ने जिला पंचायत अध्यक्ष पद के निर्वाचन को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सकुशल ढंग से सम्पनन कराने के लिए मतदान/मतगणना स्थल जिला पंचायत कार्यालय का निरीक्षण किया एवं निर्वाचन से सम्बंधित व्यवस्थाओं का जायजा लिया। तत्पश्चात पुलिस लाइन के सभागार में प्रेक्षक अनिल कुमार एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी की उपस्थिति में पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ अध्यक्ष जिला पंचायत निर्वाचन-2021 के चुनाव को

सकुशल, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से सम्पनन कराये जाने हेतु बैठक भी आयोजित की गयी। बैठक में मा0 प्रेक्षक ने अध्यक्ष जिला पंचायत निर्वाचन-2021 के चुनाव को सकुशल, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से सम्पनन कराये जाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

बैठक में जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि मतदान/मतगणना परिसर में मोबाइल फोन को ले जाना पूर्णतया प्रतिबंधित रहेगा। उन्होंने निर्धारित स्थलों पर बैरेकेटिंग की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने के साथ-साथ निर्धारित स्थल पर पार्किंग की भी व्यवस्था सुनिश्चित कराये जाने का निर्देश दिया है। मतदान/मतगणना स्थल के अंदर एवं बाहर सीसीटीवी कैमरे की भी व्यवस्था सुनिश्चित की गयी है।

मतदान प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी करायी जायेगी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी ने भी चुनाव को निष्पक्ष, सकुशल एवं पारदर्शी ढंग से सम्पनन कराये जाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। अध्यक्ष जिला पंचायत निर्वाचन-2021 के चुनाव को सकुशल, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से सम्पनन कराये जाने हेतु सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित की गयी है। बैठक में एडीएम, एसडीएम, सीओ तथा पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारीगण उपस्थित रहे।

प्रधान संघ कोरांव का गठन

रामानुज यादव अध्यक्ष निर्वाचित

अखंड भारत संदेश

कोरांव। विकास खंड कोरांव में 2 जुलाई को हुए प्रधान संघ के चुनाव में प्रधान पंडरिया रामानुज यादव निर्वाचित हुए।बता दें कि उक्त पद हेतु प्रधान अल्हवा अहद अहमद सिद्दीकी उर्फ शहजादे,प्रधान बड़ोखर नन्हे सिंह,नीरज पटेल,रामानुज यादव चुनाव मैदान में उतरे। किन्तु चुनाव पदाधिकारियों ने सभी उम्मीदवारों को अपने अपने विचार व्यक्त करने का अवसर दिया। जिसमे प्रधान अल्हवा श्री शहजादे ने उपस्थित प्रधानों से कहा कि यदि समस्त प्रधान मुझे निर्विरोध चुनें,अन्यथा चुनाव नहीं लड़ूंगा। उन्होंने अपना नामांकन वापस ले लिया। मैदान में नन्हे सिंह नीरज सिंह पटेल,रामानुज यादव ने ताल ठोंकी। और चुनाव हो गया,वोटिंग हुई,जिसमे ज्यादा वोट रामानुज यादव को मिला। नन्हे सिंह दूसरे स्थान पर तो नीरज पटेल तीसरे स्थान पर रहे। इस प्रकार रामानुज यादव अध्यक्ष विजय हुए और वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिलीप कुमार सोनी प्रधान उल्दा,और ज्ञान सिंह को मंत्री पद पर चुना गया।

चुनाव के दौरान निर्वतमान ब्लाक प्रमुख राम अवध कुशवाहा,पूर्व प्रमुख डिप्टी मिश्रा,तथा श्री त्रिपाठी अखिल भारतीय प्रधान संघ उपाध्यक्ष, सहित जिले के संगठन पदाधिकारी मौजूद रहे।

रामानुज यादव ने कहा मेरी जीत समस्त ग्राम प्रधानों की जीत है। प्रयास करूंगा कि यह संगठन कामयाब रहे और प्रधानों का सोषण न हो । साथ ही चुने गए प्रधान जनता से जो वायदा करके जीते है उनकी समस्याएं हल कर सकें। लोगों ने यादव की जीत पर बधाइन्यां दी।

कीडगंज में इंटर के छात्र और करेली में महिला ने लगाई फांसी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। कीडगंज में रहने वाले इंटर के छात्र ने गुरुवार रात फांसी लगाकर जान दे दी। वहीं करेली में झारखंड की एक महिला फांसी के फंदे पर लटकी मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन कर विधिक कार्रवाई की। चौखंडी कीडगंज निवासी हरे कृष्ण गौड़ के तीन बच्चों में 18 वर्षीय रूद्र उर्फ कन्हैया इंटर का छात्र था। वह एक इंटर कॉलेज में पढ़ता था। बताया जा रहा है कि गुरुवार रात उसने अपने कमरे में फांसी लगाकर जान दे दी । परिजनों ने उसे फांसी पर लटका देखा तो फफक पड़े। कीडगंज पुलिस ने छानबीन की लेकिन कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। चर्चा रही कि रात में परिवार में कोई विवाद हुआ था। हालांकि छात्र के परिजनों ने आत्महत्या के कारण की जानकारी नहीं दी।

वहीं दूसरी ओर करेली पुलिस ने बताया कि साहिबगंज, झारखंड निवासी 25 वर्षीय तसकिरा खातून अपने दोनों बेटियों के साथ अबूबकर मस्जिद करेली में झोपड़ी में रहती थी। लगभग एक साल से उसके पति नूर मोहम्मद से दूरी बन गई थी । बताया जा रहा है कि महिला की 6 साल और 8 साल की दोनों बेटियां अपनी नानी के पास रहने लगी। इधर, लगभग दो महीने से महिला ने झारखंड के ही रफीकुल से नजदीकी बना ली। गुरुवार रात किसी बात को लेकर उनमें विवाद हुआ और महिला ने फांसी लगाकर जान दे दी। शुक्रवार सुबह तसकिरा की बहनों ने उसे फांसी पर लटका देखा तो पुलिस को सूचना दी।

पीडीए के 400 से अधिक फ्लैटों की बिक्री अटकी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। प्रयागराज विकास प्राधिकरण के 400 से अधिक फ्लैट खाली पड़े हैं। अलग-अलग योजनाओं में कई फ्लैटों के तो वर्षों से खरीदार नहीं मिल रहे हैं। शहर

पश्चिमी में पीडीए ने सबसे अधिक आवासीय योजना बनाई। इसलिए इसी क्षेत्र में सबसे अधिक फ्लैट खाली हैं। फ्लैट न बिकने के पीछे कई कारण गिनाए जा रहे हैं। कुछ लोगों का कहना है कि पीडीए के फ्लैट महंगे हैं। अधिकारी कहते हैं कि दो साल से लोगों की जेब तंग होने के कारण संपत्ति पर निवेश घटा है। वजह चाहे जो हो लेकिन फ्लैटों के खरीदार नहीं मिल रहे है।

कालिंदीपुरम में महंगे फ्लैट खरीदने को तैयार नहीं

पीडीए ने कालिंदीपुरम में आवासीय योजनाओं का जाल बिछाया है। इस क्षेत्र में 15 से 85 लाख तक के फ्लैट है। सस्ते फ्लैटों की मांग है। महंगे फ्लैट लोग नहीं खरीद रहे है। शहर के रियल स्टेट कारोबार पर नजर रखने वाले कहते है कि 50 लाख से अधिक कीमत वाले फ्लैट लोग खरीदना नहीं चाहते। इतनी कीमत में लोग सिविल लाइंस में फ्लैट खोज रहे है। शहर से दूर और इलाका पिछड़ा होने के कारण यहां के महंगे फ्लैटों में निवेश को लोग तैयार नहीं है।

कोरोना के प्रकोप से नहीं निकली लॉटरी

कोरोना ने डेढ़ साल में रियल स्टेट कारोबार को धराशाई कर दिया है। पीडीए भी इसकी चपेट में आया। सामान्य दिनों में पीडीए लॉटरी निकालता था। महामारी का प्रकोप बढ़ने पर लॉटरी नहीं निकल रही है।कोरोना के कारण लॉटरी नहीं हो पाई। दूसरी लहर के पहले लॉटरी निकालने की योजना थी लेकिन आचार संहिता लग गई। विभिनन आवासीय योजनाओं की बिक्री के लिए जल्द विज्ञापन जारी होगा।

आलोक कुमार पांडेय, विशेष कार्याधिकारी पीडीए

जुलाई में पूरा करें नाइट मार्केट का काम : नगर आयुक्त

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। नगर आयुक्त रवि रंजन ने कमला नेहरू मार्ग पर नाइट मार्केट बनाने का काम जुलाई में पूरा करने का निर्देश दिया है। प्रयागराज स्मार्ट सिटी लिमिटेड के साथ मीटिंग में स्मार्ट सिटी के मुख्य अधिशासी अधिकारी ने कहा कि सेल्फी प्वाइंट का काम भी जुलाई में पूरा करना है। इनके अलावा स्मार्ट क्लास शुरू करने, स्कूलों में खेल उपकरण लगाने का काम अगस्त तक पूरा करने को कहा गया। स्मार्ट सिटी के सीईओ ने सड़कों पर प्रस्तावित स्मार्ट स्ट्रीट लाइट के काम जल्द शुरू करने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री का पुतला जलाने के आरोपियों की सशर्त जमानत मंजूर

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का पुतला जलाने और उनके खिलाफ नारेबाजी करने के आरोपी तीन सपा कार्यकर्ताओं की सशर्त जमानत मंजूर कर ली है। यह आदेश न्यायमूर्ति सुनीत कुमार ने फूलचंद्र यादव व अन्य की जमानत अर्जी को स्वीकार करते हुए दिया है।

याचियों के अधिवक्ता शिवम यादव व अखिलेश सिंह का कहना था कि यह राजनीतिक विरोध प्रदर्शन था। उन्हें देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार कर जेल में बंद करना सही नहीं है। एफआईआर से देशद्रोह का कोई अपराध भी नहीं बनता है।कोर्ट ने कहा कि व्यक्तिगत बंधपत्र व प्रतिभूति लेकर रिहा किया जाए। कोविड 19 संक्रमण को देखते हुए जनहित याचिका में जारी समादेश का पालन किया जाए। समादेश में कहा गया है कि संक्रमण के कारण प्रतिभूति दे पाने में असमर्थ होने पर एक माह में प्रतिभूति जमा करने का आश्वासन लेकर रिहा किया जाए।प्रतिभूति जमा न करने के कारण जमानत मंजूर होने के बाद आरोपियों को जेल में न रखा जाए। कोर्ट ने कहा कि शर्तें न मानने पर याचियों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है।घटना को लेकर चित्रकूट के कर्वी थाने में याचियों सहित 12 नामजद और 10-12 अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज है। जिसमें देशद्रोह का भी आरोप है। छह आरोपियों की जमानत पहले ही हो चुकी है। याची 17 मार्च 2021 से जेल मे बंद है।

पहली पत्नी के जीवित रहते किया दूसरा निकाह, शिक्षक पर मुकदमा दर्ज

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। कैंट निवासी महिला ने शिक्षक पति पर खुद के जीवित रहते दूसरा निकाह करने और दूसरी महिला को अपना नामिनी बनाने के आरोप में केस दर्ज कराया है। बेली गांव निवासी महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया है कि उसका निकाह 2002 में मो. सुहैल निवासी पूरामुफ्ती से मुस्लिम रीति रिवाज से हुआ था। 2009 में उसके पति की गोरखपुर में प्राथमिक विद्यालय में सहायक अध्यापक के पद पर नियुक्ति हुई।

आरोप है कि 2019 में आरटीआई से मांगी गई जानकारी से पता चला कि उसके पति ने सरकारी अभिलेखों में खुद को अविवाहित बताया है और नामिनी सानिया नामक महिला को बनाया है। जानकारी पर यह भी पता चला कि 2013 में ही उसने सोरांव निवासी सानिया से निकाह कर लिया है। महिला का आरोप है कि उसके पति ने बिना तलाक दिए दूसरा निकाह कर उससे छल किया। कैंट पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बैंक लोन धोखाधड़ी के आरोपी कंपनी प्रोपराइटर की जमानत खारिज

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बैंक ऑफ महाराष्ट्रा से चार करोड़ लोन की धोखाधड़ी के आरोपी वर्मा ट्रेडिंग कंपनी के प्रोपराइटर अमित वर्मा की जमानत अर्जी खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा कि कंपनी के नाम लोन लेकर पैसा दूसरी कंपनी में ट्रांसफर किया गया और लोन न अदा कर एनपीए करा लिया गया, यह सामाजिक व आर्थिक गंभीर अपराध है। ऐसे में जमानत नहीं मंजूर की जा सकती।

यह आदेश न्यायमूर्ति ओमप्रकाश ने दिया है। याची का कहना था वह कंपनी का कर्मचारी है। ईश्मा अरोड़ा व नितिन अरोड़ा ने कंपनी के लिए लोन लेकर अपने नाम पैसा ट्रांसफर करा लिया। याची को फंसाया गया है। सीबीआई की ओर से जमानत अर्जी का विरोध करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता ज्ञान प्रकाश व एडवोकेट संजय कुमार यादव का कहना था कि याची कंपनी का प्रोपराइटर है। बैंक धोखाधड़ी के षडयंत्र में लिप्त है। एक ही दस्तावेज पर कई बैंकों से लोन लिए गया है।

गर्भवती महिलाओं का किया गया स्वास्थ्य परीक्षण

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इनरव्हील क्लब ऑफ इलाहाबाद उदिशा की ओर से राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर बृहस्पतिवार को गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया एवं उन्हें बेहतर स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। इनरव्हील क्लब ऑफ इलाहाबाद उदिशा की एडिटर डॉक्टर वर्तिका श्रीवास्तव ने बताया कि चिकित्सक दिवस पर क्लब की अध्यक्ष मोनिका जायसवाल, सचिव सारिका अग्रवाल राठौर, शालिनी अस्थाना, डॉ. अमृता अग्रहरी और क्लब के अन्य सदस्य के सहयोग से कीडगंज नगरीय, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दारीकर बस्ती कीडगंज, जूही कॉलोनी, तुलसियानी स्क्वायर अपार्टमेंट एवं डॉ. संजय अस्थाना के निवास पर निर्धन गर्भवती महिलाओं का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आयरन और फोलिक एसिड की गोलियां दी गईं। इसके अलावा उन्हें केला, अंगूर, सेब, संतरा आदि फल वितरित किया गया।

जमानत मंजूर करना जज के विवेक पर निर्भर : हाईकोर्ट

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण आदेश में कहा है कि आपराधिक मामले में जमानत नियम है तो जेल अपवाद है। जमानत मंजूर करना अपराध के तथ्यों व परिस्थितियों को देखते हुए जज के विवेक पर निर्भर करता है। यह आदेश न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी ने दिया है। इसी के साथ कोर्ट ने नाबालिग के साथ दुराचार कर वीडियो वायरल करने व धमकाने के आरोपी रिजवान को जमानत पर रिहा करने से इनकार करते हुए उसकी अर्जी खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा कि दुराचार के साक्ष्य पर ट्रायल के समय विचार होगा। यह देखा जाएगा कि पीडिता के साथ उचित न्याय हो।

मंडी जिले की कोतवाली में

नाबालिग बच्ची के गर्भवती होने पर घटना के पांच माह बाद 28 जनवरी 2018 को एफआईआर तब दर्ज कराई गई, जब लड़की ने अपनी मां से उसके साथ हुए दुराचार की घटना बताई। मेडिकल रिपोर्ट में बाह्य चोट न होने के आधार पर आरोपी रिजवान की ओर से कहा गया कि उसे फंसाया जा रहा है। कोर्ट ने कहा कि लड़की का बयान और आरोपी की धमकी अपराध की गंभीरता बता रहे हैं। पांच माह बाद जांच रिपोर्ट ट्रायल कोर्ट में साक्ष्यों पर तय होगी। इसके के आधार पर जमानत नहीं मंजूर की जा सकती।

गांव के विकास की सीढ़ी जिला पंचायत है -सिद्धार्थनाथ

शहर पश्चिमी प्रीतमनगर की गलियों में भ्रमण कर भाजपा कार्यकर्ताओं से संवाद किया

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। गांव के विकास की सीढ़ी जिला पंचायत है यह बातें

अखंड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं.

UPHIN 2001/9025

जिला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव के पूर्व नवनिर्वाचित जिला पंचायत सदस्यों को अजय इंटरनेशनल होटल में आयोजित कार्यकर्ता मिलन कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम, निवेश व निर्यात, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम, हथकरघा, वस्त्रोद्योग एवं एनआरआई विभाग मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहीं।नवनिर्वाचित जिला पंचायत सदस्यों को संबोधित करते हुए श्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा कि केंद्र और प्रदेश में भाजपा सरकार है तो जिला पंचायत में भी भाजपा सरकार की अध्यक्ष बनेंगे तो विश्वास मानिए विकास के इंजन का पहिया योगी के नेतृत्व में तेजी से गांव की ओर बढ़ रहा है उसमें गति के साथ विकास का मॉडल स्थापित होगा।उत्तर प्रदेश में पहले से 21 जिला पंचायत अध्यक्ष भाजपा के निर्बिरोध चुने जा चुके है।प्रयागराज में भी सभी से सदस्यों से अपील है कि गांव की जनता को विकास की मुख्यधारा से जोड़कर प्रयागराज में विकास का मॉडल बनाने में योगदान देने के लिए भाजपा का अध्यक्ष बनाएं।

तदुपरान्त डॉ पीयूष दीक्षित, जय शंकर श्रीवास्तव,सतीश गुप्ता, नंद किशोर पासी और शिवाकांत पाण्डेय के आवास पहुँचे जहाँ पर क्षेत्र में हो रहे विकास पर परिचर्चा हुई जिसपर डॉ पीयूष दीक्षित ने कहा पिछले चार में शहर पश्चिमी का कायाकल्प हो गया मैंने कभी सपने में नहीं सोचा था कि इतना बड़ा बदलाव आएगा कि शहर पश्चिमी में हर तरफ विकास के कदम बढ़ रहे है।सेक्टर संयोजक नंद किशोर पासी कहते है कि सिद्धार्थ नाथ सिंह के कठोर निणय्क के कारण अपराधी शहर छोड़कर भाग गए या फिर जेल की सलाखों में सड़ रहे है।

प्रयागराज व सुल्तानपुर में आयोजित प्रशिक्षण को कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने किया संबोधित

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। युवा कांग्रेस अध्यक्ष निशांत रस्तोगी ने बताया कि विगत 2 दिन से ब्लॉक अध्यक्षों का प्रशिक्षण शिविर प्रयागराज गंगापार स्थित कोहिनूर गेस्ट हाउस में चल रहा था जिसमें आज समापन के दिन प्रदेश अध्यक्ष श्री अजय कुमार लल्लू जी , प्रदेश उपाध्यक्ष लालितेश पति त्रिपाठी जी , पुर्व विधायक शहर उत्तरी अनुग्रह नारायण सिंह एवम् राष्ट्रीय सचिव व प्रभारी उत्तर प्रदेश बाजीराव खाडे जी समेत कई वरिष्ठ कांग्रेस नेता उपस्थित रहकर प्रशिक्षण शिविर में आए ब्लॉक अध्यक्षों को सम्बोधित किया।

साथ ही जूम के माध्यम से राष्ट्रीय महासचिव श्री मति प्रियंका गांधी वाड्रा ने शिविर में संबोधन करते हुए कहा कि संगठन निर्माण का काम सबसे महत्वपूर्ण, मजबूती से जुटे रहे पदाधिकारी। चुनाव में संगठन की राय होगी सबसे महत्वपूर्ण। निशांत रस्तोगी ने बताया कि बढ़ती महंगाई, खेती किसानी के सवाल पर आंदोलन की रणनीति पर भी चर्चा हुई।

सामुदायिक शौचालय जगौती का सेफ्टी टैंक जमीदोह

अखंड भारत संदेश

करछना। विकास खंड ग्राम पंचायत जगौती का तीन महीने पूर्व में बनाया गया सामुदायिक शौचालय का सेफ्टी टैंक जमीदोह हो गया, तीन लाख बीस हजार रुपये की लागत से निर्माण कराया गया था । इस्तेमाल के पहले उसका सेफ्टी टैंक टूट कर जमीन में धस गया । सरकारी धन का किस कदर बंदरबाट किया जा रहा है, यह तों जांच के बाद पता चलेगा, निर्वाचित प्रधान ने शिकायत में आरोपित करते हुए विकास खंड करछना के संक्षम अधिकारी से शिकायत दर्ज कराते हुए कहा कि तीन महीने पहले पूर्व प्रधान व ठेकेदार ने मिल कर गांव में सामुदायिक शौचालय का निर्माण कराया था ।जिसके निर्माण में तीन लाख बीस हजार रुपये की धनराशि आहरित किया गया था।

गाँव के विकास के साथ-साथ पर्यावरण को स्वच्छ बनाना हम सब की जिम्मेदारी है : प्रधान निरिया

करछना। विकास खंड करछना के अंतर्गत गांव निरिया के प्रधान अमृतलाल के द्वारा वृक्षारोपण किया गया जिसमें ग्राम सभा के अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। वृक्षारोपण के दौरान अमृत लाल प्रधान ने बताया कि । जितना जरूरी कार्य गांव में विकास कराने के लिए है, उतना ही जरूरी है कि प्रत्येक गांव वासियों की जीवन रक्षा के लिए कदम उठाने का है, उन्होंन बताया कि 1600, वृक्ष गांव में लगाने का हैं अब तक 700, पौधों को लगवाया जा चुका है शेष जल्द से जल्द पूरा करा दिया जायेगा, इस मौके पर डॉक्टर मुनेश यादव, प्रमोद कुमार जयसवाल, रामकुमार बी डी सी, मुकेश कुमार राव, पवन कुमार यादव समाजसेवी, बबूआन यादव, अनुराग यादव, राजकुमार राव, निरंजन विश्वकर्मा, प्रभु नाथ यादव, कृष्ण मोहन यादव, बालकृष्ण गौड , कृष्ण प्रसाद, महेश कुमार राव, सुशील कुमार यादव आदि लोग वृक्षारोपण में उपस्थित रहे ।

सम्पादकीय

वैक्सीन पर दीवार

जिन टीकों को भारत सरकार ने पूरी जांच-पड़ताल के बाद मान्यता दी हो, उन्हें अगर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अन्य सरकारें मान्यता देने लायक न मानें तो तकनीकी तौर पर उसकी जो भी वजहें गिनाई जाएं, उसका यह मतलब तो निकलता ही है कि भारतीय संस्थाओं की प्रामाणिकता संदिग्ध है। अभी न तो कोरोना की दूसरी लहर पूरी तरह काबू में आई है और न संक्रमण से जुड़ी चिंताएं समाप्त हुई हैं, बावजूद इसके यूरोपीय देशों में ग्रीन पास को लेकर विवाद शुरू हो गया है। इन्यू देशों ने कोरोना संक्रमण में सुधार के मद्देनजर आवाजाही की व्यवस्था को सामान्य बनाने के मकसद से यह कवायद शुरू की है। पहली नजर में यह तर्कसंगत भी लगती है। आखिर सामान्य आर्थिक गतिविधियों और यात्राओं पर कब तक पाबंदी लगाए रखी जा सकती है? कोरोना वायरस अगर लंबे समय तक बना रहने वाला है तो दुनिया को उसकी मौजूदगी में सुरक्षित ढंग से जीने का कोई न कोई रास्ता निकालना ही होगा। रास्ता निकालने की ऐसी ही एक कोशिश इन्यू ने ग्रीन पास जारी करके की है।

हालांकि अभी मामला इन्यू देशों के बीच यात्राओं का ही है। इन यात्राओं के लिए भी ग्रीन पास अनिवार्य नहीं है, लेकिन यह यात्रा को आसान और सुविधाजनक जरूर बनाएगा। जिन लोगों के पास ग्रीन पास नहीं होगा उन्हें जगह-जगह आरटीपीसीआर टेस्ट की नेगेटिव रिपोर्ट दिखाने और एक निश्चित समय क्वारंटीन में बिताने जैसी असुविधाएं झेलनी पड़ सकती हैं। निकट भविष्य में यूरोप यात्रा की योजना बना रहे भारतीयों के लिए दिक्कत की बात यह रही कि भारत में लगाए जाने वाले तीनों टीकों- कोविशील्ड, कोवैक्सीन और स्पूतनिक वी को इन्यू की सूची में शामिल नहीं किया गया। इससे जहां भारतीय यात्रियों की परेशानी बढ़ने वाली थी, वहीं भारतीय टीकों की प्रामाणिकता पर भी सवाल उठ रहा था। जिन टीकों को भारत सरकार ने पूरी जांच-पड़ताल के बाद मान्यता दी हो, उन्हें अगर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अन्य सरकारें मान्यता देने लायक न मानें तो तकनीकी तौर पर उसकी जो भी वजहें गिनाई जाएं, उसका यह मतलब तो निकलता ही है कि भारतीय संस्थाओं की प्रामाणिकता संदिग्ध है। स्वाभाविक ही, भारत सरकार ने तकनीकी सवालों में उलझने के बजाय इसे सीधे कूटनीतिक स्तर पर उठाया और इन्यू और यूरोपीय देशों को साफ तौर पर जतला दिया कि भारत ऐसा दोहरा व्यवहार स्वीकार नहीं करने वाला। जो देश कोविन पोर्टल से सत्यापित प्रमाणपत्र को मान्यता नहीं देंगे, वह उनके प्रमाणपत्र को अमान्य करेगा। भारत के इस कड़े रुख का असर भी देखने को मिला जब आठ इन्यू देशों ने कोविशील्ड को मान्यता देने की बात कही। इनमें एस्टोनिया ने तो भारत में मान्य सभी टीकों को मान्यता दी है। इनके अलावा स्विट्जरलैंड ने भी कोविशील्ड को मान्यता दी है। वह इन्यू में शामिल नहीं है। हालांकि टीकों की प्रामाणिकता को लेकर आश्वस्त होने की जहां तक बात है तो हर देश और संबंधित एजेंसियों को उसका अधिकार है। वैसे भी फिलहाल ज्यादातर अंतरराष्ट्रीय उड़ानें बंद हैं। इसलिए इस मामले का कोई तात्कालिक महत्व नहीं है पर यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि आगे भी टीका निर्माता कंपनियों की आपसी प्रतिद्वंद्विता या किसी भी अन्य वजह से भारतीय टीकों और भारतीय यात्रियों के साथ किसी प्रकार का भेदभाव न किया जाए।

अंग्रेजी ने कराई थी अटल-आडवाणी की दोस्ती

विनय सीतापति

यदि अटल बिहारी वाजपेयी श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सांचे में ढले वक्ता थे तो एलके आडवाणी कराची की महानगरीय दुनिया के बाशिंदे। दीनदयाल ने आडवाणी की इस खासियत पर गौर किया था और यही वजह थी कि 1957 के चुनावों के बाद आडवाणी को दिल्ली लाया गया। उनका काम दिल्ली के लुटियंस में अंग्रेजी बोलने वाले संभ्रांत वर्ग के बीच घुलने-मिलने में नए सांसद अटल बिहारी वाजपेयी की सहायता करना था। यह उनका पहला आपसी संवाद था, जिसने उनके छह दशकों के रिश्ते की नींव रखी। आडवाणी संसद के निकट राजेंद्र प्रसाद मार्ग पर स्थित वाजपेयी के सरकारी बंगले पर रहने आए और नए सांसद के साथ समय बिताने लगे। उनके साथ 22 वर्षीय एनएम घटाटे भी होते थे, जो आरएसएस के अभिजात वर्ग से आते थे।

घटाटे के पिता आरएसएस और हिंदू महासभा के अग्रणी थे। संघ परिवार उनके परिवार का बहुत सम्मान करता था। ऐसे में यह स्वाभाविक ही था कि जब 1957 में घटाटे कानून की पढ़ाई के लिए नागपुर से दिल्ली आए तो उन्हें जनसंघ के नए सांसद से मिलने को कहा गया। वाजपेयी और घटाटे उस समय नजदीकी दोस्त बन गए थे, जबकि वाजपेयी और आडवाणी एक दूसरे से परिचित हो रहे थे। बाद में आडवाणी रामलीला मैदान के बीजेपी कार्यालय के पास एक मामूली से कमरे में रहने चले गए, लेकिन वह रोज वाजपेयी से मिलते। आडवाणी भाषणों पर शोध में भी वाजपेयी की सहायता करते रहे। साथ ही जनसंघ की दिल्ली इकाई के साथ काम करते रहे। उन्होंने देखा कि हिंदुओं की पार्टी ने कैसे 1958 में दिल्ली नगर निगम के चुनावों के लिए वामपंथियों के साथ गठबंधन किया था। राजनीति को निश्चित सांचों में देखने के आदी आडवाणी अब दूसरों के साथ तालमेल करना सीख रहे थे। धीरे-धीरे गंभीर आडवाणी पर वाजपेयी की संगति का प्रभाव पड़ने लगा। उस चुनावी हार के बाद वे दोनों राज कपूर और और माला सिन्हा की फिल्म 'फिर सुबह होगी' देखने गए। फिल्म की राजनीतिक विषयवस्तु, साहिर लुधियानवी द्वारा लिखा गया मुख्य गीत नेहरू के भारत के अधूरे वादों की आलोचना करते थे, लेकिन इस बात की संभावना नहीं है कि इसी वजह से उन्होंने इस फिल्म को चुना होगा। संभावना इस बात की अधिक है कि दोनों एक-दूसरे के साथ उस शाम का आनंद ले रहे थे। वाजपेयी के लिए फिल्म मनोरंजन का साधन थी, लेकिन आडवाणी के लिए जुनून थी।

1960 में ऑर्गनाइजर के संपादक केआर मलकानी ने पत्रिका के लिए आडवाणी को कुछ फिल्मों की समीक्षा लिखने को कहा। वह 'नेत्र' नाम से हिंदी फिल्मों की समीक्षा करते, लेकिन यहां भी राजनीति पहुंच गई। 'नेत्र' ने नेहरू द्वारा ब्रिटिश फिल्म निर्माता रिचर्ड एटनबरो को गांधी के जीवन पर फिल्म बनाने के प्रयासों के लिए प्रोत्साहित किए जाने पर अपनी असहमति जताई। (1982 में आई इस फिल्म को आठ ऑस्कर पुरस्कार मिले थे) नेत्र ने इसे भारतीय फिल्मकारों की उपेक्षा के रूप में

देखा। पहली बार आडवाणी को हर महीने 350 रुपये वेतन मिल रहा था। पत्रकारों के कोटे के अंतर्गत आडवाणी को आरके पुरम में एक छोटा घर भी आवंटित हुआ। 13 साल पहले कराची में अपना बंगला छोड़ने के बाद यह आडवाणी का पहला असली ठिकाना था। इंडियन एक्सप्रेस के आर रंगराजन उनके पड़ोसी थे। हर सुबह आडवाणी स्कूटर से झंडेवालान में आरएसएस के मुख्यालय जाते और रंगराजन बहादुर शाह जफर मार्ग तक उनके पीछे बैठकर अपने ऑफिस। रंगराजन के इतिहासकार बेटे महेश रंगराजन बताते हैं कि बाद में जब उनके पिता ने कार खरीद ली तो उनकी भूमिकाएं बदल गईं। आडवाणी अब कुछ दूर तक उनके साथ कार से जाते और फिर झंडेवालान के लिए बस ले लेते। फरवरी 1962 में तीसरे आम चुनाव होने थे। वाजपेयी ने फिर से बलरामपुर से चुनाव लड़ा। उनके सामने कांग्रेस उम्मीदवार और स्वतंत्रता सेनानी सुभद्रा जोशी थीं। नेहरू के भाषणों का असर था कि वाजपेयी चुनाव हार गए। उनका करियर बचाने एक बार फिर दीनदयाल सामने आए। उन्होंने संसद में वाजपेयी की निरंतर उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए उन्हें राज्य सभा का टिकट दिया। 1970 के दशक के प्रारंभ तक आडवाणी और वाजपेयी की जोड़ी अटूट बन चुकी थी। वाक?पटु वाजपेयी को शांत आडवाणी का साथ अच्छा लगता।

दोनों साथ में फिल्म देखते और पानी पूरी का मजा लेते। आपसी निजी पसंद के अलावा आडवाणी को तैयार करने में वाजपेयी का राजनीतिक अभिप्राय भी था। उस समय के जनसंघ के एक नेता कहते हैं- 'वाजपेयी ने आडवाणी को इसलिए चुना क्योंकि वह अच्छी अंग्रेजी बोलते थे। विश्वसनीय थे और उन्हें ऐसे व्यक्ति के रूप में जाना जाता था, जो कभी लोकसभा चुनाव नहीं जीत सकता था।' बाद में आडवाणी ने एक सहयोगी को बताया था, 'मैं राजनैतिक तौर पर कई लोगों से जूनियर था और मैं सार्वजनिक सभाओं का वक्ता भी नहीं था, जो किसी भी जन नेता और पार्टी अध्यक्ष के लिए सबसे बुनियादी आवश्यकता है, लेकिन वाजपेयी ने मुझसे कहा था कि आप उसे हासिल कर लेंगे। राजमाता के मना करने पर आडवाणी पार्टी के अध्यक्ष बन गए। इसकी सार्वजनिक घोषणा फरवरी 1973 में कानपुर में होनी थी। शायद यह पार्टी के लिए सबसे महत्वपूर्ण अधिवेशन था। यह मधोक की समाप्ति और वाजपेयी-आडवाणी के नियंत्रण का आरंभ था। 1973 में 9 से 11 फरवरी के बीच जनसंघ के कानपुर अधिवेशन का आयोजन हुआ। सभी अधिवेशनों की तरह विस्तृत, लेकिन बहुत सादगीपूर्ण व्यवस्था की गई थी। वरिष्ठ नेताओं को भी बाकी नेताओं के साथ शिविर या कमरों में रहना था। जनसंघ के प्रति सहानुभूति रखने वाले स्थानीय व्यापारियों ने यह इंतजाम किया था। मधोक को सत्र में आने के लिए मनाया गया, जिसे बाद में उन्होंने फंसाने की संज्ञा दी थी। बैठक में मधोक ने दावा किया कि उन्हें कहा गया है- 'मुस्लिम आपको पसंद नहीं करते, आपकी वजह से जनसंघ में नहीं आना चाहते, उन्हें पार्टी में लाने के लिए आपको त्यागपत्र देना होगा।

सोशल मीडिया के दुरुपयोग का साहित्य और रचनात्मकता पर असर

डॉ. सुधा कुमारी

सोशल मीडिया दूरी को कम करने और शीघ्र संपर्क - माध्यम के रूप में जनजीवन में आया था। फेसबुक, वॉट्सऐप, इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया टूल किसी भी अन्य सुविधा देने वाले उपयोगी टूल की तरह ही थे। सोशल मीडिया टूल का संयत और संतुलित मात्रा में प्रयोग काफी हद तक सकारात्मक था। कहते हैं- अर्थात् जो हृदय में स्थित होता है, वह दूर होने पर भी नजदीक ही होता है। इसे सत्य कर दिखाया सोशल मीडिया ने। इसके द्वारा आत्मीय जनों से संपर्क, वार्तालाप, चित्रों का आदान- प्रदान संभव हुआ जिससे बचपन के छूटे लोग भी सामने दिख पाते हैं। दूर बैठे अपने बच्चों, परिवार, भाई बहन, मित्रों को देख लेना, अपने से जुड़ा महसूस करना, घर बैठे लगभग सारी दुनियां देख लेना- ऐसा सुखद संयोग सोशल मीडिया की वजह से ही संभव हो पाया है। हृदय स्थित आत्मीयों को ही नहीं, साहित्यिक मनीषियों और उनकी कृतियों को भी सामने पटल पर लाकर दिखाने का सुअवसर इस मीडिया ने दिया -जब जी चाहा, लेखकीय कृतियों को देखा, पढ़ा, उसपर लिखा । लेख पढ़कर अपनी राय देना - यह भी सोशल मीडिया की ही देन है।

गूगल, फ़ायरफ़ॉक्स जैसे सर्च इंजिन के अलावा सोशल मीडिया टूल ने पढ़ने- लिखने में आम जन के साथ-साथ साहित्यकारों को भी लाभ पहुंचाया है। ज्ञान वर्द्धन तो हुआ ही, साथ- साथ लेखन की कार्यशाला का भी लाभ नव लेखकों को मिला। वरिष्ठ लेखकों को भी ई- गोष्ठी, ई-समारोह तथा विश्व स्तर पर पढ़नेवाले सुधीजनों का साहचर्य मिला। सोशल मिडिया ने बहुत से उभरते और वरिष्ठ लेखकों को भी एक 'प्लेटफॉर्म' दिया है। सोशल मीडिया तथा नव तकनीकों का लाभ साहित्य-प्रकाशकों को भी मिला। पीडीफ फ़ाइल बनाकर प्रूफरीडिंग, कम्पोजिंग, डिजिटल रूप में इसके प्रचार- प्रसार का लाभ समाचार पत्र और पत्रिकाओं को तो मिला ही, अच्छे साहित्य को भी मिला। सोशल मीडिया ने साहित्यिक प्रतिभा की अनगिनत संभावनाओं से परिचित कराया और ज्ञान के विस्तार के लिए एक असीमित क्षितिज दिया।

सोशल मीडिया का अतिशय प्रयोग या दुरुपयोग करने, नित्य अपनी कच्ची घानी का तेल निकालने और इसे एक व्यसन या एडिक्शन बनाने वाले तबके ने साहित्यिक गलियों में दंगा फैला दिया है और आज वर्चुअल स्पेस में 'ई - वेस्ट' की श्रेणी का अंबार लगा दिया है। बच्चे, वृद्ध, कामकाजी वर्ग, गाँव, शहर- सब इस वर्चुअल (आभासी) दुनिया की चपेट में हैं। सोशल मीडिया में सक्रियता और वर्चुअल (आभासी) सम्बन्ध जीवंतता का पर्याय मानी जा रही है। किफ़ायती मोबाइल डाटा से 'स्क्रीन टाइम' बढ़ रहा है, अपने ज़रूरी काम और घरेलू दायित्वों का हनन करके सोशल मीडिया पर काम हो रहा है। हर वक्त एक नोटिफिकेशन की घंटी रोज़ाना दिनचर्या में खलल डालती है और चिंतन प्रक्रिया को डिस्टर्ब करती है। सोशल मीडिया पर भीड़तंत्र के गुरुओं द्वारा आये दिन तरह- तरह के विवाद खड़े करने और धार्मिक भावनाओं को आहत करने, झूठी अफवाह फ़ैलाने या उन्माद भड़काने के भी यथासंभव प्रयास किये जा रहे हैं। इसकी रोकथाम आवश्यक है। सोशल मीडिया पर लेखन और अन्य साहित्यिक गतिविधियों से जहाँ रचनात्मक सक्रियता बढ़ी है, वहीं इसकी अधिकता ने चिंतन-मनन पर आघात किया है। अच्छे लेखक हर जगह अच्छा लिखेंगे क्योंकि उन्हें मेहनत और मनन की आदत है। अच्छे लेखक अपनी लिखी कृति को परिष्कृत करते हैं, चिंतन - मनन, लिखने और छपने में समय लेते हैं। मगर जो बोगस हैं, वे हर जगह कचरा बिखेरेंगे, यह एक कटु सत्य है। सोशल मीडिया की सक्रियता और छपने- दिखने की हड़बड़ी में कई लेखक गलतियां करते हैं। सोशल मीडिया में हमारे अपने मौलिक और अप्रकाशित लेख डालने पर उसके चोरी या नक़ल का भी खतरा है।

हिचक कैसी, हमें हमले की ताकत चाहिए

हर्ष वी पंत

पंद्रह देशों में काम करने वाले संगठन इंटरनैशनल इंस्टिट्यूट फॉर स्ट्रैटिजिक स्टडी ने पाया है कि भारत की सारी सायबर ताकत पाकिस्तान के खिलाफ लग रही है, जबकि उस पर अधिक हमले चीन कर रहा है। इसमें दो बातें हैं। पहली, सामरिक तौर पर हमारा ध्यान बहुत पहले से पाकिस्तान पर रहा है। इसलिए हमारे इंस्टिट्यूशंस की नजर अभी भी पाकिस्तान पर है और इंस्टिट्यूशंस को बदलने में वक्त लगता है। दूसरी बात यह कि पाकिस्तान और चीन को अलग-अलग देखना गलत है। भारत तो दो मोर्चों पर यह लड़ाई लड़ रहा है। कई चीजें चीन खुद नहीं करेगा, लेकिन उसकी ओर से वही काम पाकिस्तान कर देगा। इसलिए भारत का पाकिस्तान पर ध्यान देना जरूरी हो जाता है। हालांकि मुझे लगता है कि पिछले साल गलवान की घटना के बाद से माइंडसेट बदल रहा है। हमने देखा है कि कैसे हर क्षेत्र में अब फोकस चीन पर है।

यह स्टडी आगे कहती है कि भारत की सायबर वॉर रणनीति में कई कमियां हैं। चीन और पाकिस्तान नॉर्मल स्टेट नहीं हैं। एक तरफ है पाकिस्तान, जहां सेना बेहद ताकतवर है। उसकी विदेश नीति में सेना की प्राथमिकताएं दिखती हैं। दूसरी तरफ है चीन। वहां क्या चलता है, इस बारे में हमें क्या, अमेरिका जैसे देश तक को पता नहीं चल पाता। चीन में भी पिछले कुछ बरसों से सेना का रोल बढ़ा है। जब आपके दोनों तरफ दो ऐसे मुल्क हों, तो स्थिति थोड़ी गंभीर हो जाती है। इन दोनों पड़ोसी देशों में सेना गैर-परंपरागत तौर-तरीके इस्तेमाल कर रही है, मसलन ग्रे जोन ऑपरेशन। इसे ऐसे समझें कि पाकिस्तानी सेना सीधे भारतीय सेना के सामने नहीं आ सकती, इसलिए वह आतंकवाद को प्रायोजित करती है। यही ग्रे जोन ऑपरेशन है।

इस मामले में चीन का हिसाब दूसरा है। वह अपनी क्षमताओं को छुपाने और गैर-परंपरागत तरीके से विरोधी को झुकाने की कोशिश करता है। इसलिए वह हैकर्स का इस्तेमाल करता है, उन्हें स्पॉन्सर करता है। अगर हैकर्स ने काम कर दिया, तो वह कह देगा कि इसमें उसका कोई हाथ नहीं। वैसे भी इंटरनेट का संसार इतना बड़ा है कि कौन कहां बैठकर क्या कर रहा है, इसका पता लगाना बहुत मुश्किल काम है। लेकिन क्षमता तो भारत के पास भी कम नहीं। वुहान लैब में जो साजिश हुई, उसका खुलासा भारतीयों ने यहां से बैठे-बैठे कर दिया। लेकिन अभी तक इस बात पर कोई चर्चा नहीं हुई कि इस क्षमता का इस्तेमाल करना कैसे है। पॉलिसी एरिया में सायबर वॉर पर बहुत कम चीजें मिलेंगी आपको। हमारी सेना भी अभी उतनी ट्रेंड नहीं है। कुछ बदलाव हुए जरूर, लेकिन चीन बहुत आगे है। हमने भारत सहित पश्चिमी देशों पर होने वाले सायबर अटैक देखे हैं, तो मानना पड़ेगा कि हमारी आक्रमण क्षमता बेहद कम है।ऐसे में एक रास्ता यह भी निकलता है कि पश्चिमी देशों की मदद ली जाए। अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस तो हैं ही, इस्राइल भी माहिर है इसमें। इस्राइल से सीखने वाली बात है कि वह सायबर हमले भी करता है। हमने ईरान में देखा कि वहां कुछ संस्थाओं पर बड़े सायबर हमले हुए। इसके पीछे इस्राइल का ही हाथ माना जाता है। इसका मतलब हुआ कि वह रक्षा करना जानता है और हमला करना भी। पश्चिमी देशों में अमेरिका से सीखना होगा कि किस तरह से ओपन सोसायटी की सुरक्षा की जाए।गलवान की घटना के बाद होने वाले हमलों को देखें, तो यह मानना गलत नहीं होगा कि हमारी जितनी संस्थाएं हैं, वे हैकिंग का शिकार हो रही हैं। भारत को इस सचाई को स्वीकार करके पॉलिसी बनानी पड़ेगी। हम एक खुली सोसायटी हैं। यहां लोकतंत्र है। चीन की तरह हम खुद को बंद नहीं कर सकते, इसलिए अपने क्रिटिकल इन्फ्रास्ट्रक्चर को सेफ करना होगा। इन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में फार्मा इंडस्ट्री, पावर ग्रिड आते हैं। यह मानकर चलना होगा कि महत्व की ऐसी चीजों को निशाना बनाया जाएगा, जैसे पिछले दिनों पावर ग्रिड्स पर सायबर अटैक हुए थे।

अगर आपको लगता है कि चीन के साथ सीमा पर जो लड़ाई चल रही है, वही असल लड़ाई है तो जान लीजिए कि 'ड्रैगन' ऐसे कभी नहीं लड़ता। वह दूसरे देश की कमजोरी पर हमला करता है। हमने जब दिखा दिया कि हम भी बॉर्डर पर खड़े हो सकते हैं, तो वह वहां पर क्यों लड़ाई करेगा? वह हमारी कमजोरी को ढूंढेगा और वहां हमला करेगा। और सायबर डिफेंस मामले में हम कमजोर हैं भी। हमारी सरकारी वेबसाइटें हैक हो जाती हैं, डेटा सेंटर्स हैक हो जाते हैं।न्यूक्लियर वॉर के मामले में जो लॉजिक इस्तेमाल होता है, वही लॉजिक सायबर अटैक के मामले में भी है। दूसरा देश तभी सायबर वॉर से हिचकिचाएगा, जब उसे लगेगा कि आप भी हमला कर सकते हैं। यह वैसी बात नहीं कि बंदूक अमेरिका और राफेल फ्रांस से खरीद लाए। यह सायबर सिक्यॉरिटी कोऑर्डिनेशन का मामला है। एक स्ट्रैटिजिक पॉलिसी बनानी पड़ेगी। कहा जाता है कि हम सायबर युद्ध से बचाव की क्षमता बना रहे हैं। मेरा कहना है कि हमें हमले के लिए भी अपनी क्षमता बनानी होगी, लेकिन ऐसा कहना हमारे स्ट्रैटिजिक कल्चर में नहीं है। हालांकि हमले की क्षमता बनाना बहुत मुश्किल काम नहीं। अगर आपको हैकर्स चाहिए, तो आज भारत में ढेरों मिल जाएंगे। यंगस्टर्स तो इस काम में माहिर हैं। ब्रिटेन का मुझे पता है। वहां ऐसे ही लोगों को रखा गया है। भारत में लेकिन इस तरह का कोई प्रावधान ही नहीं। अभी बस इस बारे में सोचा ही जा रहा है। वैसे नीति बनाने वालों को अच्छे से पता है कि उनके पास अब कोई दूसरा रास्ता नहीं है।

भारत में धर्म, राष्ट्र, विचारधारा से संबंधित प्यू रिसर्च सेंटर के सर्वे परिणाम बड़े रोचक हैं

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

कुछ की मान्यता थी कि सच्चा भारतीय वही हो सकता है, जो हिंदू है या हिंदीभाषी है इस तरह की बात कहने वाले कौन लोग हो सकते हैं ? यह सर्वेक्षण इस प्रश्न का जवाब नहीं देता है लेकिन हम अंदाजा लगा सकते हैं। ये लोग वे हो सकते हैं, जिन्हें हम बुद्धिजीवी नहीं कह सकते हैं। अमेरिका के प्यू रिसर्च सेंटर ने भारत की जनता के बारे में एक बड़ा रोचक सर्वेक्षण उपस्थित किया है। उसने भारत के लगभग तीस हजार लोगों से पूछताछ करके कुछ निष्कर्ष दुनिया के सामने रखे हैं। उसने भारत के विभिन्न धर्मों के प्रति लोगों की राय इकट्ठी की है। उस राय को पढ़कर लगता है कि धर्म-निरपेक्षता या पंथ-निरपेक्षता की दृष्टि से भारत दुनिया का शायद सर्वश्रेष्ठ देश है। इस सर्वेक्षण में भारत के हिंदू, मुसलमान, सिख, जैन, बौद्ध, ईसाई और आदिवासियों से भी सवाल पूछे गए थे। 84 प्रतिशत लोगों ने कहा कि किसी भी 'सच्चे भारतीय' के लिए यह जरूरी है कि वह सभी धर्मों का सम्मान करे। 80 प्रतिशत लोगों ने कहा कि भारत में उनको उनके धर्म के पालन की पूर्ण स्वतंत्रता है। लेकिन उनमें से ज्यादातर लोगों ने कहा कि उनका गहरा संबंध और व्यवहार प्रायः अपने ही धर्म के लोगों के साथ ही होता है। उनका यह भी मानना था कि अंतरधार्मिक विवाह अनुचित हैं। कुछ हिंदुओं की मान्यता यह भी थी कि सच्चा भारतीय वही हो सकता है, जो हिंदू है या हिंदीभाषी हैं इस तरह की बात कहने वाले कौन लोग हो सकते हैं ? यह सर्वेक्षण इस प्रश्न का जवाब नहीं देता है लेकिन हम अंदाजा लगा सकते हैं। ये लोग वे हो सकते हैं, जिन्हें हम बुद्धिजीवी नहीं कह सकते हैं। ये साधारण समझ वाले लोग हैं। यह जरूरी नहीं कि इनके दिलों में अहिंदुओं या अहिंदीभाषियों के लिए कोई कटुता या दुर्भावना ही हो। अपनी मोटी समझ और उथले अनुभव के आधार पर उन्होंने अपनी उक्त राय जाहिर की होगी लेकिन खान-पान को लेकर तो लगभग सभी लोगों की राय साफ और लगभग एक-जैसी है। याने जो गोमांस खाए, वह हिंदू नहीं हो सकता और जो सूअर का मांस खाए, वह मुसलमान नहीं हो सकता।

इसी प्रकार जातीय समीकरणों के बारे में ज्यादातर लोगों की राय (64 प्रतिशत) यह है कि अंतरजातीय विवाह नहीं होने चाहिए। अंतरधार्मिक विवाहों के बारे में भी ज्यादातर लोगों (64 प्रतिशत) की राय यही है। मेरी समझ में भारत की एकता और समरसता के लिहाज से यह राय ठीक नहीं है, हालांकि इन धार्मिक और जातीय बंधनों का टूटना आसान नहीं है। इन बंधनों को चूर-चूर होते हुए अपनी आंखों से मैंने अंडमान-निकोबार और सूरिनाम में देखा है। एक ही परिवार में विभिन्न धर्मों के पति-पत्नी को मैंने बहुत प्रेम से रहते हुए देखा है। मॉरिशस में अंतरजातीय परिवारों की भरमार है। मेरे अपने मित्रों के ऐसे सैकड़ों परिवार देश-विदेश में है, जो अंतरधार्मिक और अंतरजातीय हैं। यह कितनी विचित्र बात है कि लोग मुसलमान और ईसाई तो बन जाते हैं लेकिन वे अपनी जात नहीं भूल पाते हैं। इसे मेरे कुछ पाकिस्तानी मित्र 'हिंदुआना हरकत' कहते रहे हैं। भारत के इस जातिवाद के आगे इस्लाम और ईसाइयत भी पस्त है। लेकिन मैं अपने पाकिस्तानी मित्रों से पूछता रहता हूं कि सब धर्मों के प्रति सहनशीलता की यह 'हिंदुआना आदत' सभी मजहबी लोग क्या कभी अपने में पैदा कर पाएंगे ?

योगी को अयोध्या और मौर्या को सिराथू से चुनाव लड़ाकर सबके समीकरण बिगाड़ सकती है भाजपा

नीरज कुमार दुबे

भाजपा मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करके चुनाव लड़े या नहीं, भाजपा की ओर से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार योगी होंगे या नहीं, इस बारे में हालांकि अंतिम फैसला संसदीय बोर्ड ही करेगा लेकिन पार्टी में यह सहमति बन चुकी है कि योगी को आगे कर चुनाव लड़ा जायेगा। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए सभी पार्टियाँ कमर कस रही हैं। जहाँ तक बात सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी की है तो वह इस दिशा में प्रयासरत है कि सत्ता बनी रहे।

इसके लिए पार्टी तेजी से काम भी शुरू कर चुकी है। आने वाले दिनों में भाजपा की ओर से जो कदम उठाये जायेंगे वह पार्टी को तो मजबूती प्रदान करेंगे लेकिन विपक्ष के सारे बन चुके या बनने वाले समीकरण बिगाड़ देंगे। यही नहीं एक बात आपको और बता दें कि मीडिया में पिछले दिनों भाजपा संगठन की जिन बैठकों को उत्तर प्रदेश में संभावित परिवर्तन की कवायद के रूप में देखा गया दरअसल वह बैठकें चुनावी तैयारियों को लेकर थीं। भाजपा योगी आदित्यनाथ सरकार के कार्यों और उपलब्धियों को लेकर चुनाव मैदान में तो जायेगी ही साथ ही केंद्र की मोदी सरकार की योजनाओं के उत्तर प्रदेश में किये गये सबसे तेज और सबसे सही क्रियान्वयन के बारे में भी लोगों को बतायेगी। भाजपा मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करके चुनाव लड़े या नहीं, भाजपा की ओर से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार योगी आदित्यनाथ होंगे या नहीं, इस बारे में हालांकि अंतिम फैसला भाजपा संसदीय बोर्ड ही करेगा लेकिन पार्टी में यह सहमति बन चुकी है कि योगी को आगे कर चुनाव लड़ा जायेगा लेकिन बड़े चेहरे के रूप में एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही रहेंगे। इसकी शुरुआत हो भी चुकी है। सभी को मुफ्त कोरोना रोधी टीका लगाने के केंद्र के फैसले के मद्देनजर प्रधानमंत्री को धन्यवाद देते पोस्टर और होर्डिंग लगाये जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश से संबंधित भाजपा की हालिया बैठकों से वाकिफ पार्टी के सूत्रों का कहना है कि पश्चिम बंगाल के हाई प्रोफाइल चुनाव प्रचार का लाभ नहीं होने को पार्टी ने गंभीरता से लिया है और उत्तर प्रदेश के चुनाव प्रचार की दशा और दिशा नये तरीके से तैयार की जा रही है। यही नहीं उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनावों में किन प्रदेशों के नेताओं और संगठन के कार्यकर्ताओं की ड्यूटी लगायी जायेगी इसके लिए सूचियां बनायी जाने लगी हैं। इसके साथ ही प्रदेश में भाजपा ने अपनी सोशल मीडिया टीम के विस्तार और टीम सदस्यों के प्रशिक्षण की तैयारी भी कर ली है ताकि चुनाव प्रचार के दौरान विपक्ष की ओर से सोशल मीडिया पोस्टों द्वारा किये जाने वाले वारों का जवाब दिया जा सके।

भाजपा के विश्वस्त सूत्रों का यह भी कहना है कि मीडिया के एक वर्ग में जिस पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भाजपा की स्थिति कमजोर बतायी जा रही है और कुछ किसान नेताओं की ओर से कहा जा रहा है कि भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को गाँवों में घुसने नहीं दिया जायेगा, उसी पश्चिमी उत्तर प्रदेश से भाजपा अपने चुनाव प्रचार की शुरुआत कर सकती है। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली यहाँ कराये जाने के अलावा गृहमंत्री अमित शाह से सघन चुनाव प्रचार कराये जाने की भी योजना बनायी जा रही है। यही नहीं पश्चिमी उत्तर प्रदेश से विपक्ष के कई बड़े नेता आने वाले दिनों में भाजपा में शामिल होने वाले हैं। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव चूँकि अगले साल फरवरी और मार्च में ही होने हैं और उस समय पाँच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं, इसलिए पार्टी उत्तर प्रदेश पर पूरा ध्यान केंद्रित कर सके इसके लिए जातिगत और राजनीतिक समीकरणों को देखते हुए प्रत्याशियों के चयन की कवायद भी शुरू कर दी गयी है। पार्टी के वर्तमान विधायकों के निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा कार्यकर्ताओं से तो मशविरा किया ही जा रहा है साथ ही जनता के बीच भी सर्वे कराया जा रहा है। जल्द ही केंद्र और प्रदेश के बड़े नेताओं के भी राज्य के विस्तृत दौरे होंगे और इस दौरान भी वह अपनी राय से केंद्रीय नेतृत्व को अवगत करायेंगे। जहाँ तक प्रत्याशियों के नामों की बात है तो माना जा रहा है कि वह अगले साल मकर संक्रांति के बाद ही आयेगी लेकिन पार्टी इस बात का लगभग मन बना चुकी है कि इस बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और दूसरे उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा भी विधानसभा का चुनाव लड़ेंगे। उल्लेखनीय है कि यह तीनों नेता अभी विधान परिषद के सदस्य हैं। इन तीनों ही नेताओं को आसान सीट से इसलिए भी चुनाव लड़ाया जायेगा ताकि वह अन्य क्षेत्रों में चुनाव प्रचार पर ध्यान केंद्रित कर सकें।